हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मूक पत्रिका

RNI NO - CTHIN/25/A0716

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 86 बेमेतरा, शनिवार 14 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

गांव, गरीब, किसान और युवाओं का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता : सीएम साय





किसानों को दी जाएगी प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये आदान सहायता राशि

मुंगेली। जिले के विकास को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम कंतेली में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को 465 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की लागत के 77 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 68 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 24 कार्यों का लोकार्पण तथा 397 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 53 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। कंतेली में महाविद्यालय सहित विभिन्न विकास कार्यों की सौगात से जिले में शिक्षा, सड़क, सिंचाई, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, उपाध्यक्ष शांति देवचरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, उपाध्यक्ष पुष्पलता पद्मिनी मोहले सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, माताओं-बहनों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिन विकास कार्यों की सौगात जिले को मिली है, उनसे सड़क, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में लगभग 143 करोड़ रुपये की लागत के 25 सड़क विकास कार्यों तथा अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत 203 करोड़ रुपये से अधिक की जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन किया गया है। इसके साथ ही जल संसाधन विभाग के 40 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने ग्राम कंतेली में पंचायत भवन एवं महाविद्यालय भवन, ग्राम देवरी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति वाटिका और ग्राम कोदवा से खुर्शी तक सड़क मरम्मत निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी।

किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्रों सहित प्रदेशभर में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों और उनकी आर्थिक समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए धान की निर्धारित पूरी मात्रा का विक्रय करना अनिवार्य नहीं होगा। कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी किसानों को सत्यापित रकबे के आधार पर निर्धारित पात्रता के अनुसार सहायता राशि का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 33 किश्तों में 21 हजार 340 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने श्रीरामलला दर्शन योजना के माध्यम से वरिष्ठजनों को अयोध्या दर्शन कराने की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री साय ने आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 की जानकारी देते हुए कहा कि नागरिक इस नंबर पर कॉल कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। इसके निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से घर बैठे प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा तथा सभी ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र के जरिए डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना की जानकारी दी।

नहाय-खाय के साथ महापर्व छठ शुरू, वाराणसी में गंगा में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी और की पूजा



वाराणसी। सूर्य उपासना के महापर्व छठ की शुरुआत नहाय-खाय अनुष्ठान के साथ शुरू हो गई। धर्मनगरी काशी के गंगा घाटों पर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह देखने को मिली। इस दौरान अस्सी घाट पर व्रती महिलाओं ने गंगा में पवित्र डुबकी लगाई। गंगा स्नान के बाद महिलाएं छठ वेदियों का पूजन किया। बिहार, मध्य प्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों से भी छठ पूजा के लिए श्रद्धालु वाराणसी पहुंचे हैं। कठिन व्रतों में से एक माने जाने वाले छठ महापर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व को लेकर नगर निगम की ओर से घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गंगा में गहरे पानी में न जाने की चेतावनी वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं। बिहार से काशी आई रेणु कुशवाहा ने कहा, आज नहाय-खाय है। इसके तहत हम लोग गंगा में स्नान करने के बाद घाट पर वेदी बनाकर पूजा करेंगे। इसके साथ ही चावल, लौकी की सब्जी और चने की दाल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। मैं कई सालों से काशी में आकर छठ पूजा करती हूं।

अर्चना जायसवाल ने कहा, सबसे पहले छठ मइया के लिए घाट और वेदी बनाते हैं। नहाय-खाय के साथ आज से छठ पूजा की शुरुआत हुई है। मैंने सबसे पहले गंगा में स्नान किया और उसके बाद वेदी का पूजन किया। घर जाकर लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल पकाएंगे। इस भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करूंगी।

बता दें कि चार दिनों तक चलने वाली छठ पूजा के पहले दिन साफ-सफाई, पवित्रता और श्रद्धा से जुड़ी रस्में निभाई जाती हैं। श्रद्धालु सुबह जल्दी उठते हैं और नदियों, तालाबों या अपने घरों में पवित्र स्नान करते हैं (कई लोग नहाने के पानी में गंगाजल भी मिलाते हैं)। त्योहार की शुरुआत करने से पहले वे अपने घरों और रसोई की अच्छी तरह से साफ-सफाई करते हैं। इस अवसर पर एक विशेष सात्विक भोजन तैयार किया जाता है, जिसमें पारंपरिक रूप से उबले चावल, चने की दाल और कद्दू (लौकी या कद्दू) की सब्जी शामिल होती है। भोजन तैयार करते समय साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है, क्योंकि यहीं से इस त्योहार से जुड़े कड़े धार्मिक नियमों की शुरुआत होती है।

छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे का मेगा प्लान, 214 स्पेशल ट्रेनों के लगेंगे 2044 फेरे

गोरखपुर। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। छठ पर्व पर लाखों की संख्या में लोग अपने घरों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे ने 214 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों के कुल 2044 फेरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर जंक्शन पर दूरदराज से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चार वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। इन जोन में यात्रियों के बैठने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अनारक्षित टिकट काउंटर, कूलर और निशुल्क पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि यात्रियों को ट्रेन के इंतजार में प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच परेशान न होना पड़े। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं, करें आमने-सामने की बहस : राहुल गांधी



नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने-सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल आपका-फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है- असली देशद्रोही कौन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ मोदी और दूसरी तरफवह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, उधर आप अडानी जी को जज बनाना चाहते हों, मोहन भागवत को बनाना चाहते हों, वो सब ठीक है, मगर मैं गारंटी दे रहा हूं, 'वन-ऑन-वन' डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।

महादेव सट्टा ऐप मामले में ईडी को मिला सौरभ चंद्राकर के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट



रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में आरोपी सौरभ चंद्राकर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय को सौरभ चंद्राकर के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट मिल गया है। पीएमएलए की विशेष अदालत ने यह वारंट जारी किया है। सौरभ को ईडी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट में पेशी के बाद ईडी सौरभ चंद्राकर को गिरफ्तार करने की कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही मामले में विस्तृत पूछताछ के लिए ईडी की ओर से अदालत में कस्टोडियल रिमांड की मांग करते हुए आवेदन पेश किया जाएगा। बता दें कि सौरभ चंद्राकर को सीबीआई रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। इस दौरान ईडी की ओर से भी उसे अपनी हिरासत में लेने के लिए कस्टडी आवेदन प्रस्तुत किया गया था। हालांकि, सीबीआई कोर्ट ने ईडी के इस आवेदन को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने ईडी को निर्देश दिया था कि वह सौरभ चंद्राकर की कस्टडी हासिल करने के लिए अपनी विशेष अदालत में आवेदन करे।

शराब घोटाले का फरार आरोपी विकास अग्रवाल यूएई में गिरफ्तार

रायपुर। शराब घोटाले मामले में फरार आरोपी विकास अग्रवाल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। उसे दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। वह पिछले कई सालों से जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर था। फिलहाल आरोपी विकास यूएई के अधिकारियों के हिरासत में है। अब उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की जा रही है। इस घटनाक्रम को शराब घोटाले की जांच में अहम सफलता माना जा रहा है। ईडी के मुताबिक, विकास अग्रवाल शराब सिंडिकेट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। उसे सिंडिकेट का अहम वित्तीय मैनेजर बताया गया है। उसपर डिस्टिलरी और एफएल-10ए लाइसेंसधारियों से कमीशन की वसूलने के बाद रकम शराब घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल अनवर ढेबर तक पहुंचाए जाने का आरोप है। ईडी की जांच में विकास अग्रवाल की भूमिका को लेकर कई अहम तथ्य सामने आए थे। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद अब भारतीय एजेंसियां विकास अग्रवाल को भारत लाने की प्रक्रिया में जुटी हैं।

बिहार : वैशाली में एक परिवार के चार सदस्यों ने खाया जहर, तीन की हुई मौत



वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र के प्रेमराज गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों के जहर खाने का मामला सामने आया है। घटना में सास, बहू और एक पोते की मौत हो गई, जबकि पोती की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के पीछे जमीन बेचने को लेकर पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है। बताया गया कि परिवार का बेटा राहुल लगातार जमीन बेच रहा था। आरोप है कि वह गुरुवार को भी जमीन बेचकर घर से फरार हो गया था। इसी विवाद के बाद परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन

बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी



बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया और बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में 16,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। प्रधानमंत्री ने आज दोपहर करीब 12.45 बजे मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाकर तवरेकेरे से आईआईएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक यात्रा भी की। करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह मेट्रो लाइन कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक फैली है। इससे बेंगलुरु के शहरी परिवहन नेटवर्क को मजबूती मिलने, यात्रियों का सफर आसान होने और सड़क यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद है।

मोदी ने वर्चुअल रूप से बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच आधुनिक रेल संपर्क उपलब्ध होगा। यह ट्रेन हासन, सकलेशपुर, मंगलुरु, उडुपी, मुरुडेश्वर, गोकर्ण और कारवार सहित प्रमुख स्थानों पर रुकेगी और मडगांव तक जाएगी। इससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह वंदे भारत सेवा देश की सबसे लंबी अवधि वाली चेयर कार वंदे भारत ट्रेन होगी।

यशवंतपुर से मडगांव तक इसकी यात्रा में 13 घंटे 20 मिनट लगेंगे, जबकि वापसी में मडगांव से यशवंतपुर पहुंचने में 12 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। इसकी औसत गति भी देश की अन्य वंदे भारत सेवाओं के मुकाबले सबसे कम होगी। बेंगलुरु से मडगांव की दिशा में औसत गति 54 किलोमीटर प्रति घंटा और वापसी में 53 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। ट्रेन संख्या 26655 यशवंतपुर से

मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा सुरक्षा पर दिया ज़ोर, विकसित भारत के निर्माण के लिए बताया जरूरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ईरान और खाड़ी क्षेत्र के आसपास भू-राजनैतिक तनाव के बीच ऊर्जा सुरक्षा की अहमियत पर ज़ोर देते हुए कहा कि पिछले एक दशक में घरेलू ईंधन उत्पाद, भंडारण अवसंरचना और नवीकरणीय ऊर्जा में भारत के निवेश ने दुनिया भर में आने वाली मुश्किलों का सामना करने की उसकी क्षमता को मज़बूत किया है। मोदी ने कहा, विकसित भारत के निर्माण में सम्पर्क सूत्र के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा की भी बड़ी भूमिका है। ईरान और खाड़ी के आसपास देशों में जारी संघर्ष ने दिखाया है कि ऊर्जा सुरक्षा कितनी ज़रूरी है। भारत ने भी मुश्किल दौर का सामना किया, लेकिन पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में उठाए गए कदमों ने हमें इस संकट का मज़बूती से सामना करने में मदद की। उन्होंने कहा, हमने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी उत्पादन की क्षमता बढ़ाई, कच्चे तेल के भंडारण की व्यवस्था विकसित की, सौर, जल और पवन ऊर्जा का विस्तार किया, रेलवे का लगभग शत-प्रतिशत बिजलीकरण किया और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि आज कर्नाटक में भी जिन तीन परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है, वे भी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नयी ताकत देंगी।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस : क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी गई जांच, अब एसीपी सदाशिव राणे संभालेंगे कमान



मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस हाई-प्रोफाइल केस की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है। इसके बाद टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस को भी एईसी से लेकर यूनिट-2 को सौंप दिया गया।

इस फैसले के बाद क्राइम ब्रांच के भीतर हलचल तेज हो गई है।

वोट के अधिकार और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का जनजागरण अभियान तेज : आशीष छाबड़ा

मंडल देवरबीजा के ग्राम डंगनिया में आयोजित हुई मंडल स्तरीय जन चौपाल, मतदाता अधिकारों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

मूक पत्रिका



बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री आशीष छाबड़ा जी के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेरला द्वारा ÷वोट बचाओ॒देश बचाओ÷ अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन मंडल देवरबीजा के ग्राम डंगनिया में किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की रक्षा, मतदाताओं के अधिकारों के प्रति जनजागरूकता तथा निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के विषय पर आमजन के बीच संवाद स्थापित करना रहा। जन चौपाल में कांग्रेसजनों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक मतदाता के वोट की अहमियत को रेखांकित करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य और लोकतंत्र की दिशा तय करने की सबसे बड़ी ताकत है। जन चौपाल में उपस्थित कांग्रेसजनों ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के हाथों में होती है और जनता की इसी शक्ति का आधार उसका मताधिकार है। यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी, मताधिकार से वंचित किए जाने या निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े होते हैं, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है और प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही है।इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ÷वोट बचाओ॒देश बचाओ÷ केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की मूल भावना और आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा का जनआंदोलन है। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब प्रत्येक नागरिक का वोट सुरक्षित होगा और निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी रहेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा जी के नेतृत्व में बेमेतरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मंडल एवं बूथ स्तर पर जनसंवाद और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करें तथा लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के इस अभियान में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेसजनों ने लोकतंत्र की रक्षा, मतदाता अधिकारों की सुरक्षा तथा संविधान के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।कांग्रेस पार्टी का संकल्प है कि हर वोट की गरिमा बनी रहे, हर मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और देश का लोकतंत्र मजबूत रहे। इस अवसर पर विवेक राजपूत सुरेश दुबे दुबे, छगन साहू, तरण निर्मलकर संतोष साहू सहदेव साहू चंद्रशेखर शर्मा प्रदीप साहूललित विश्वकर्मा खिलेश साहू गांधी रामसाहू हरि प्रेम संतोष साहू सुरेश साहू शत्रुघ्न साहू विजय साहू योगिता साहू रामविलास निषाद मानसिह साहू सुदर्शन साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

मां लक्ष्मी गणेशोत्सव समिति पचभैया द्वारा 108 कन्याओं का भव्य भोज आयोजित

मूक पत्रिका







पचभैया। धार्मिक आस्था, श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ मां लक्ष्मी गणेशोत्सव समिति पचभैया द्वारा आज 108 कन्याओं का विधिवत पूजन कर कन्या भोज का आयोजन किया गया।इस अवसर पर समिति के सदस्यों एवं ग्रामवासियों ने पूरे श्रद्धाभाव से कन्याओं का तिलक लगाकर, पूजन-अर्चन कर भोजन कराया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा। समिति के सदस्यों ने बताया कि कन्या भोज भारतीय सनातन संस्कृति एवं नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। मां दुर्गा के स्वरूप में कन्याओं की पूजा करना हमारी धार्मिक परंपरा और आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ समाज में सेवा, सद्भावना एवं समरसता की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मां लक्ष्मी गणेशोत्सव समिति के समस्त सदस्यों एवं ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।।

डेटॉल ने पेश किया नया डेटॉल ओरिजिनल फोमिंग हैंडवॉश, अब भारत के सबसे भरोसेमंद हैंडवॉश के साथ मिलेगा झागदार सफाई का अनुभव

नईदिल्ली। हैंडवॉश के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और हाथों की स्वच्छता के तरीकों को बेहतर बनाने में अग्रणी ब्रांड डेटॉल ने आज नए डेटॉल ओरिजिनल फोमिंग हैंडवॉश को लॉन्च करने की घोषणा की। पिछले कई दशकों से डेटॉल विज्ञान आधारित नवाचार और कीटाणुओं से भरोसेमंद सुरक्षा के जरिए भारत में हाथों की स्वच्छता से जुड़ी आदतों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अब डेटॉल का लोकप्रिय ओरिजिनल हैंडवॉश एडवांस्ड फोमिंग फॉर्मेट में उपलब्ध होगा। इसके साथ ही डेटॉल फोमिंग हैंडवॉश की रेंज में डेटॉल ओरिजिनल की खास और लोकप्रिय खुशबू भी शामिल हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में हाथ धोने को लेकर जागरूकता में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन सही तरीके से हाथ धोना अब भी एक चुनौती बना हुआ है। भारतीय माताएं अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहती हैं कि हाथ धोने के बाद भी उनके बच्चों के हाथ पूरी तरह साफनहीं हुए हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि ज्यादातर लोग, खासकर बच्चे, हाथों को पर्याप्त समय तक नहीं रगड़ते। इस कारण हैंडवॉश पूरे हाथों में अच्छी तरह नहीं फैल पाता इसी उपभोक्ता व्यवहार और स्वच्छता से जुड़ी इस कमी को समझते हुए भारत का नंबर 1 हैंडवॉश डेटॉल ओरिजिनल अब फोमिंग फॉर्मेट में पेश किया गया है। इसका झाग हाथों के हर कोने तक आसानी से पहुंचता है और सामान्य लिक्विड हैंडवॉश की तुलना में कीटाणुओं से 10 गुना बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। बेहतर कीटाणु सुरक्षा को आम लोगों के लिए आसान, सुविधाजनक और रोजमर्रा के इस्तेमाल में अधिक प्रभावी बनाकर यह लॉन्च सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में सार्थक नवाचार को बढ़ावा देने में डेटॉल की अग्रणी भूमिका को और मजबूत करता है। इसके साथ ही, यह अधिक से अधिक लोगों और समुदायों तक पहुंचने की ब्रांड की प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाता है। डेटॉल ऐसे उपयोगी और रोजमर्रा के उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लोगों को खुद के साथ-साथ अपने प्रियजनों की देखभाल करने में सक्षम बनाते हैं।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप, भवन निर्माण रोकने वार्डवासियों ने की शिकायत

जगदलपुर के लालबहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 08 में ऑफिसर कॉलोनी के पीछे pwd कि सरकारी जमीन पर निर्माण का मामला, पुलिस कर्मचारी पर भी लगाए आरोप

मूक पत्रिका

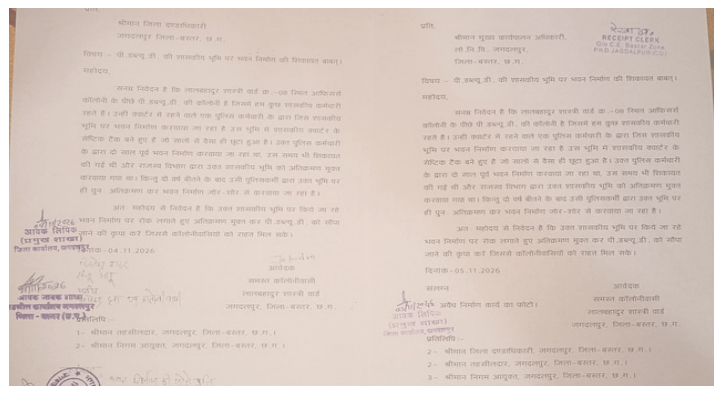





जगदलपुर। शहर के लालबहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 08 के पम्प हाउस गली स्थित ऑफीसर कॉलोनी के पीछे श्व2स्त्र कि शासकीय भूमि पर भवन निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। इस मामले में वार्डवासियों ने संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपकर शासकीय भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोकने तथा मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायत में वार्डवासियों ने आरोप लगाया है कि एक पुलिस कर्मचारी द्वारा शासकीय भूमि पर भवन निर्माण कराया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, उक्त भूमि पर पहले भी निर्माण कार्य को लेकर आपत्ति जताई गई थी तथा राजस्व विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। इसके बावजूद दोबारा उसी भूमि पर निर्माण कार्य शुरू किए जाने का आरोप लगाया गया है।कलेक्टर,निगम आयुक्त, तहसीलदार,मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोक निर्माण विभाग जगदलपुर,अधीक्षक, को दिनांक 4/11/2026 को लिखित आवेदन देने के पश्चात भी आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है श्व2स्त्र कि शासकीय भूमि पर 2 वर्ष पूर्व निर्माण कार्य को तोड़कर प्लाट खाली करवाया गया था किंतु पुनः उक्त भूमि पर इसी व्यक्ति के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है और ढलाई लेवल पर निर्माण कार्य पहुंच गया है तत्काल जिम्मेदार इस पर रोक लगाये।

कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य

डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित रकबे के आधार पर मिलेगी आदान सहायता राशि, प्रति एकड़ अधिकतम 13,839 रुपये का लाभ

मूक पत्रिका

बेमेतरा, 13 नवंबर 2026 खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को आदान सहायता राशि प्रदान करने के लिए पात्रता एवं भुगतान संबंधी दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही डिजिटल क्रॉप सर्वे (ष्छ्टस्) में बोये गए धान के रकबे का सत्यापन भी आवश्यक होगा। योजना के तहत वे किसान पात्र होंगे, जिन्होंने खरीफ वर्ष 2026-27 में खाद्य विभाग के पोर्टल एवं धान उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन कराया है तथा मार्कफेड के माध्यम से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं लैम्पस में धान का विक्रय किया है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के माध्यम से धान बीज उत्पादन हेतु पंजीकृत किसानों द्वारा बीज निगम को विक्रय किए गए धान बीज से संबंधित पात्र रकबे पर भी योजना का लाभ दिया जाएगा।प्रति एकड़ अधिकतम 13,839 रुपये की मिलेगी सहायता राशि योजना के अंतर्गत आदान सहायता राशि का निर्धारण डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित बोये गए रकबे के आधार पर किया जाएगा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान उपार्जन की मान्य मात्रा के आधार पर सहायता राशि की गणना होगी। कॉमन ग्रेड धान के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित 2,441 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की निर्धारित राशि के अंतर के आधार पर पात्र किसानों को अधिकतम 13,839 रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।गणना के अनुसार (3,100 - 2,441) म 21 = 13,839 रुपये प्रति एकड़ होगी। विशेष बात यह है कि यदि किसी किसान द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान का विक्रय किया गया है, तब भी निर्धारित अधिकतम सीमा 21 क्विंटल के समतुल्य आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उदाहरण के तौर पर, 2.7 एकड़ सत्यापित रकबे पर 37,365.30 रुपये, 0.3 एकड़ पर 4,151.70 रुपये, 2.5 एकड़ पर 34,597.50 रुपये तथा 0.8 एकड़ पर 11,071.20 रुपये की आदान सहायता राशि देय होगी। सहायता राशि का भुगतान पात्र किसानों के आधार लिंक बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (ष्छ्क्ष्) के माध्यम से किया जाएगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में रकबे का सत्यापन जरूरी-योजना का लाभ केवल डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित बोये गए रकबे के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर सर्वदलीय बैठक संपन्न

मूक पत्रिका





बेमेतरा, 13 नवंबर 2026/ फेटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम - अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 - को लेकर आज संयुक्त जिला कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रीतम सिंह चौहान सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी -1. तीनों विधानसभा में कुल मतदाता - 7,30,987

68 साजा - 2,37,633 मतदाता (338 मतदान केंद्र)

69 बेमेतरा - 2,30,037 मतदाता (309 मतदान केंद्र 70 नवागढ़ (अ.जा.) - 2,60,317 मतदाता (358 मतदान केंद्र)

कुल मतदान केंद्र - 1005, कुल बीएलओ - 1005

विशेष अभियान में भरे गए 5380 फार्म-6

पुनरीक्षण के पूर्व चलाए गए विशेष अभियान में साजा में 811, बेमेतरा में 2548 और नवागढ़ में 2021 फार्म-6 भरे गए।

दावा-आपत्ति की अंतिम तिथि 11 दिसंबर

मतदान केंद्रों में नियुक्त बीएलओ के द्वारा 11 दिसंबर 2026 तक फार्म 6, 7, 8 में दावा-आपत्तियां ली जाएंगी। निराकरण 20 दिसंबर तक होगा और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को होगा।

फर्जी आपत्ति पर लगाम

आयोग ने एक मतदाता द्वारा अधिकतम 10 आवेदन और सतत अद्यतन के दौरान प्रति माह 05 आवेदन की सीमा तय की है।

ऑनलाइन सुविधा

मतदाता ECINET ऐप या http://voters.eci.gov.in से फार्म 6, 7, 8 भर सकते हैं।

बैठक में सभी दलों से बीएलए की सूची उपलब्ध कराने और शुद्ध व त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने में सहयोग की अपील की गई। किसी भी जानकारी के लिए हेल्प डेस्क व टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, अभिलंब सुधार की मांग

मौत को दावत दे रहा कोबिया का सरकारी छात्रावास! जर्जर छत से गिर रहा प्लास्टर, खुले बिजली के तार और टूटे शौचालय आखिर कब जागेगा प्रशासन?

विद्यार्थियों को किताबें पढ़ने के लिए छात्रावास चाहिए, मौत के साये में रहने के लिए नहीं!

मूक पत्रिका







बेमेतरा - शिक्षा और बेहतर भविष्य का सपना लेकर छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों की जिंदगी ही जब खतरे में पड़ जाए, तो सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल उठना लाजिमी है। बेमेतरा जिला मुख्यालय के कोबिया स्थित शासकीय पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास की बदहाल तस्वीर ने एक बार फिर छात्रावासों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की पोल खोल दी है। भवन की जर्जर छत, गिरता प्लास्टर, बाहर निकली लोहे की छड़ें, टूटे शौचालय और खुले बिजली के तार किसी बड़े हादसे की आशंका को जन्म दे रहे हैं। इस गंभीर मामले को लेकर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज, जिला बेमेतरा ने जिला प्रशासन के समक्ष आवाज बुलंद की है। समाज ने बीते बुधवार 13 नवंबर 2026 को जिलाधीश बेमेतरा के नाम ज्ञापन सौंपकर छात्रावास भवन की जर्जर छत को तोड़कर नए सिरे से निर्माण कराने तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

छत से गिर रहा प्लास्टर, सिर पर मंडरा रहा खतरा-समाज द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में छात्रावास की भयावह स्थिति का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि भवन की छत पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। छत में लगी लोहे की सरिया बाहर दिखाई देने लगी हैं और प्लास्टर के टुकड़े टूटकर नीचे गिर रहे हैं। ऐसे में छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों के सिर पर हर समय खतरा मंडरा रहा है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? क्या विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी अनहोनी का होना जरूरी है?

शौचालय के दरवाजे टूटे, बिजली के तार खुलेज सुविधाओं के नाम पर बदहाली!

छात्रावास की समस्या केवल जर्जर छत तक सीमित नहीं है। ज्ञापन में शौचालयों के दरवाजे टूटे होने, बिजली के तार खुले एवं अव्यवस्थित होने तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है। इन परिस्थितियों में विद्यार्थियों को असुविधा के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी जोखिमों का भी सामना करना पड़ रहा है।

आदिमानव काल की तरह रहने को विवश छात्रावास के बच्चे-जिस तरह जिले के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रावास की स्थिति निकल कर सामने आ रही उससे यही प्रतीत हो रहा है कि आज भी बच्चे आदिमानव की तरह पिछड़े हुए समय में सुविधा विमुख होकर जीवन यापन करने को मजबूर हैं जो की सरकार के द्वारा चलाए जा रहे उक्त विभागों में योजनाओं का पोल खोलती नजर आ रही है, जिला प्रशासन और विभाग की जिम्मेदार अधिकारी केवल तनख्वाह लेते अपने जीवन व्यतीत कर रहे हैं और छात्रों का जीवन अंधकार मय बनाने में लगे हुए हैं।

समाज ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, तत्काल कार्रवाई की मांग-प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल छात्रावास भेजकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण कराया जाए। जर्जर छत को तोड़कर नए सिरे से निर्माण कराया जाए। शौचालयों की मरम्मत, बिजली के तारों की सुरक्षित व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त की जाएं।

समाज ने स्पष्ट किया है कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी देश और समाज का भविष्य हैं। उन्हें सुरक्षित वातावरण, स्वच्छता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है। आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों के बीच शिक्षा प्राप्त कर रहे इन विद्यार्थियों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना उनके भविष्य के साथ अन्याय है।

अब सवाल प्रशासन से— हादसे के बाद जागेगा विभाग या पहले करेगा सुधार?

सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर यदि सरकारी छात्रावासों की ऐसी स्थिति है तो व्यवस्थाओं की समीक्षा बेहद जरूरी है। आखिर छात्रावास भवन की मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी किस विभाग की है? अब तक इस जर्जर भवन की सुध क्यों नहीं ली गई? विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार अधिकारी कब गंभीर होंगे?

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की मांग है कि इस मामले को सामान्य शिकायत समझकर फाइलों में न दबाया जाए, बल्कि तत्काल निरीक्षण कर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। क्योंकि किसी भी विद्यार्थी की जान से बढ़कर कोई सरकारी प्रक्रिया या बजट नहीं हो सकता।

भाजपा की चुनावी हलचल तेज,रिसाली में 41 कमल खिलाना है : अरुण साव

इस बार रिसाली नगर निगम में 41 कमल खिलाने का संकल्प लेकर जाएं, हर घर तक पहुंचे भाजपा का कार्यकर्ता - अरुण साव

उपमुख्यमंत्री ने महापौर सहित सभी वार्डों में ऐतिहासिक जीत का दिलाया संकल्प, विकास और सुशासन के मुद्दे पर चुनाव मैदान में उतरेगी भाजपा

मूक पत्रिका



रिसाली/दुर्ग। आगामी दिनों में होने वाले रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कल रिसाली नगर निगम क्षेत्र के आशीर्वाद भवन में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव की मुख्य उपस्थिति में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की वृहद बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी नगरीय निकाय चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए महापौर सहित सभी 40 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मंचासीन अतिथियों के रूप में लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कौशिक, विधायक श्री ललित चंद्राकर, भाजपा प्रदेश मंत्री श्री जितेंद्र वर्मा, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री राकेश पांडेय, रिसाली नगर निगम चुनाव सह प्रभारी द्वय श्रीमती श्वेता शर्मा एवं श्री आशु चंद्रवंशी, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष श्री प्रीतपाल बेलचंदन, जिला महामंत्री श्री दिलीप साहू, जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी श्री शिवेंद्र परिहार, झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक एवं मंडल प्रभारी श्री दिनेश देवांगन, मंडल अध्यक्ष श्री अनुपम साहू एवं श्री राजू जंघेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरे उत्साह, समर्पण और संकल्प के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को इस बार रिसाली नगर निगम में 41 कमल खिलाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है। भाजपा सरकार ने 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया है। आज छत्तीसगढ़ में चारों ओर विकास की गंगा बह रही है। विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन निरंतर हो रहा है और शासन द्वारा इन कार्यों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

अहिवारा में सजेगा पंथी नृत्य का विशाल महाकुंभ, 200 मांदर की थाप पर एक साथ थिरकेंगे 3,000 पंथी कलाकार

सतनामी समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा का होगा भव्य महासंगम

मूक पत्रिका



अहिवारा, छत्तीसगढ़ में सतनामी समाज की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को समर्पित पंथी नृत्य का विशाल महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में 200 मांदर की गूंजती थाप पर एक साथ 3,000 पंथी कलाकार अपनी अद्भुत कला, साधना और सांस्कृतिक प्रतिभा की भव्य प्रस्तुति देंगे।इस विशाल सांस्कृतिक आयोजन के मुख्य आयोजक दिनेश चतुर्वेदी होंगे। आयोजन का उद्देश्य पंथी नृत्य की समृद्ध परंपरा को नई पहचान देना तथा आने वाली पीढ़ियों तक सतनाम संस्कृति और गुरु परंपरा की विरासत को पहुंचाना है।

आयोजकों ने समाज के सभी लोगों, पंथी कलाकारों एवं संस्कृति प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनें और अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाएं।

आयोजन की जानकारी
- दिनांकः 15 नवंबर 2026, रविवार
- स्थानः अहिवारा, छत्तीसगढ़
- मुख्य आयोजकः दिनेश चतुर्वेदी
- विशेष आकर्षणः 200 मांदर और 3,000 पंथी कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुति

राइवरों की हड़ताल को INTUC का समर्थन, सरकार से मांगें पूरी करने की मांग

सुरक्षा कानून, बीमा, पेंशन और कल्याण बोर्ड का हो गठन -राजकुमार गुप्ता

मूक पत्रिका



बीजापुर। ड्राइवरों के अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन को अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की जिला इकाई ने समर्थन दिया है। संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने 12 नवंबर से शुरू हुई हड़ताल को जायज बताते हुए प्रदेश सरकार से ड्राइवरों की मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की है। राजकुमार गुप्ता ने जारी बयान में कहा कि ड्राइवर लंबे समय से सुरक्षा, बीमा, पेंशन, कल्याण बोर्ड और अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ड्राइवर परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। यदि अनिश्चितकालीन हड़ताल लंबी चलती है तो बस, ट्रक, एंबुलेंस, ऑटो सहित अन्य वाहनों का संचालन प्रभावित हो सकता है। इससे आम जनजीवन और आवश्यक सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। उन्होंने सरकार से ड्राइवर संगठनों के साथ बातचीत कर उनकी मांगों का जल्द समाधान निकालने की अपील की है। साथ ही ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू करने, ड्राइवर आयोग और ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड का गठन करने तथा बीमा और पेंशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

अहिवारा विधानसभा से कांग्रेस में युवा नेता अभिषेक जांगड़े ने ठोकी दावेदारी

स्थानीय निवासी होने का मिलेगा लाभ! नंदिनी-खुदनी के पुराने राजनीतिक परिवार से आते हैं अभिषेक, युवाओं के बीच भी रखते हैं पहचान

मूक पत्रिका

अहिवारा। अहिवारा विधानसभा सीट रिक्त होने के बाद अब उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। भाजपा विधायक के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर अब संभावित प्रत्याशियों के नाम सामने आने लगे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस पार्टी से युवा नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के सचिव अभिषेक जांगड़े ने अपनी दावेदारी पेश कर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा शुरू कर दी है। नंदिनी-खुदनी के स्थानीय निवासी होने के कारण उनकी दावेदारी में स्थानीय नेतृत्व का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आ रहा है।



राजनीतिक परिवार की पृष्ठभूमि से आते हैं अभिषेक

अभिषेक जांगड़े की पारिवारिक पृष्ठभूमि शुरू से ही राजनीतिक रही है। उनका परिवार नंदिनी-खुदनी क्षेत्र का स्थायी निवासी है। उनके पूर्वज क्षेत्र में पंच, जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत जैसे चुनावों में भागीदारी कर चुके हैं। इसी राजनीतिक विरासत के साथ अभिषेक भी अब सक्रिय राजनीति में अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं। वर्तमान में वे जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के सचिव के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वहीं युवा उद्यमी के रूप में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई है।

युवाओं के बीच सक्रियता, अपनी टीम के साथ क्षेत्र में मौजूदगी

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में अभिषेक जांगड़े की युवाओं के बीच अच्छी पहचान बताई जाती है। उनके साथ क्षेत्र के युवाओं की एक टीम भी सक्रिय है, जो उनके नेतृत्व में विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी करती है। युवा नेतृत्व के रूप में उनकी सक्रियता के चलते उनकी दावेदारी को लेकर क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा हो रही है।

सामाजिक कार्यों में भी रहती है विशेष रुचि

राजनीतिक गतिविधियों के साथ अभिषेक जांगड़े सामाजिक कार्यों में भी रुचि रखते हैं। क्षेत्र के विभिन्न समाजों के लोगों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों के साथ उनका संपर्क है। सामाजिक आयोजनों में सहभागिता और सामाजिक लोगों के साथ संवाद के माध्यम से वे क्षेत्र में अपनी सक्रियता बनाए रखते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं राकेश ठाकुर के करीबी माने जाते हैं अभिषेक-कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ अभिषेक जांगड़े की नजदीकी को लेकर भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा होती रही है। एवं जिला कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश ठाकुर भी उसको छोटा भाई समझते है ऐसे में उनकी दावेदारी को लेकर कांग्रेस संगठन के भीतर भी चर्चाएं तेज होने की संभावना है।

अब अहिवारा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी स्थानीयद्ध नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव, राजनीतिक पृष्ठभूमि और नए युवा चेहरों में से किसे मौका देती है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। फिलहाल युवा व्यवसायी अभिषेक जांगड़े की दावेदारी ने अहिवारा की राजनीति में एक नए नाम को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

जनजातीय गौरव दिवस की प्रेस वार्ता में शामिल हुए पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा

15 नवंबर को धर्मजयगढ़ में होगा भव्य आयोजन, जनजातीय समाज के इतिहास और संस्कृति को किया जाएगा याद



जशपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जशपुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस की प्रेस वार्ता में पूर्व गृहमंत्री एवं वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान को नमन करते हुए जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।प्रेस वार्ता में आगामी 15 नवंबर 2026 को रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ स्थित दशहरा मैदान में आयोजित होने वाले भव्य जनजातीय गौरव दिवस समारोह की रूपरेखा साझा की गई। बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरव, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देना है। इस अवसर पर पूर्व खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री कृष्ण कुमार राय, श्यामलाल भगत, गोविंद राम भगत, राजकपूर भगत, शारदा प्रधान, अभिषेक मिंज, मुकेश सोनी, मीडिया प्रभारी रेहान सहित जिलाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के माध्यम से प्रदेशवासियों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में धर्मजयगढ़ पहुंचकर जनजातीय गौरव दिवस समारोह को सफल एवं भव्य बनाएं। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनजातीय संस्कृति, परंपरा और विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

पामेड़-गंगालूर के जंगलों में 3 माओवादी डंप मिले, 136 बीजीएल सेल बरामद

डॉग स्क्वॉड की मदद से सुरक्षा बलों ने खोजे ठिकाने, 1400 फीट कार्डेक्स वायर भी जब्त

मूक पत्रिका



बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले के पामेड़ और गंगालूर क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग सर्च ऑपरेशन के दौरान माओवादियों के तीन डंप बरामद किए हैं। इनसे 136 बीजीएल सेल, 1400 फीट कार्डेक्स वायर और अन्य माओवादी सामग्री जब्त की गई है। दोनों अभियानों में डॉग स्क्वॉड की मदद ली गई।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार खुफिया सूचना पर पामेड़ थाना क्षेत्र के तुमरेल-सिंगमपल्ली जंगल में डीआरजी, 208 कोबरा बटालियन और के-9 डॉग स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने सर्च अभियान चलाया। इस दौरान माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए डंप से 103 बीजीएल सेल और अन्य सामग्री बरामद की गई।

वहीं गंगालूर थाना क्षेत्र के एफओबी कुप्पागुड़ा के लेकामपारा जंगल में केरिपु 199/एफ 204 कोबरा बटालियन और के-9 डॉग स्क्वॉड वेस्पा की टीम ने सर्चिंग की। यहां दो अलग-अलग डंप मिले, जिनसे 33 बीजीएल सेल, 1400 फीट कार्डेक्स वायर और अन्य माओवादी सामग्री जब्त की गई।

पुलिस ने दोनों मामलों में पामेड़ और गंगालूर थाने में अलग-अलग वैधानिक कार्रवाई की है। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन और सुरक्षा के लिए सर्चिंग व डीमाइनिंग अभियान जारी हैं।

डॉग स्क्वॉड की मदद से जंगलों में खोजे

पामेड़ और गंगालूर के जंगलों में सुरक्षा बलों ने डॉग स्क्वॉड की मदद से माओवादियों के तीन डंप खोज निकाले। पामेड़ में 103 और गंगालूर में 33 बीजीएल सेल बरामद हुए। इसके अलावा 1400 फीट कार्डेक्स वायर भी जब्त किया गया। पुलिस ने संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मिलने पर उसे नहीं छूने और तत्काल नजदीकी थाना या सुरक्षा कैंप को सूचना देने की अपील की है।

तलवार, रॉड और डंडे लेकर पहुंचे थे आरोपी, घरों के दरवाजे और मोटरसाइकिल में की थी जमकर तोड़फोड़; अब तक 18 आरोपियों पर पुलिस की कार्रवाई

बेमेतरा में आधी रात को घरों में घुसकर आतंक मचाने वाले 13 आरोपी गिरफ्तार, 5 अपचारी बालक भी शामिल

मूक पत्रिका



बेमेतरा - शहर के नयापारा इलाके में आधी रात को घरों के बाहर हंगामा करने, अश्लील गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने, घरों में घुसकर मारपीट करने तथा दरवाजे और मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ करने के सनसनीखेज मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं 5 विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार प्रकरण में अब तक कुल 18 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 15 नयापारा निवासी 23 वर्षीय नागेश साहू ने 10 नवंबर 2026 को थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि 9 नवंबर की रात भोजन करने के बाद वह अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान 10 नवंबर की रात करीब 1 बजे मोहल्ले के कुछ युवक अपने अन्य साथियों के साथ उसके घर के पास पहुंचे और चिल्लाते हुए मोहल्ले के लोगों को बाहर निकलने की धमकी देने लगे। आरोपियों ने कथित तौर पर मोनू यदु द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने और मोहल्ले के लोगों के उसके साथ थाने जाने को लेकर विवाद किया। इसके बाद अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लोहे की रॉड से घर के दरवाजे पर हमला कर तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त 25 क्क 8864 को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपियों द्वारा मोनू यदु के घर के दरवाजे में भी तोड़फोड़ किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव एवं एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में पुलिस टीम को जांच एवं कार्रवाई की जिम्मेदारी सौंपी गई।

योजना बनाकर पहुंचे थे आरोपी, हथियार भी किए गए जब्त

विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखेन्द्र साहू, गौरव साहू, मोनिश साहू, अभिषेक साहू, देवेन्द्र उर्फ देव निषाद, लक्की उर्फ प्रिंस यादव, साहिल रिजवी, मुकेश गुप्ता, ध्वज शर्मा, ध्वनि शर्मा, माधव शर्मा, नरसिंग यादव एवं राकेश उर्फ राहुल यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों द्वारा अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी एवं अन्य पीड़ितों के साथ मारपीट करने की नीयत से तलवार, लाठी, डंडा और रॉड लेकर पहुंचने तथा घरों के दरवाजे एवं मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ करने की बात सामने आई। प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं 331(6), 95, 191(3) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 जोड़ी गई हैं। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो धारदार वस्तुएं, स्टील पाइप, बांस का डंडा सहित अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

12 और 13 नवंबर को हुई गिरफ्तारियां

पुलिस ने इस मामले में 12 एवं 13 नवंबर 2026 को कुल 13 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया। वहीं 5 विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मुखेन्द्र साहू, गौरव साहू, मोनिश साहू, अभिषेक साहू, देवेन्द्र उर्फ देव निषाद, लक्की उर्फ प्रिंस यादव, साहिल रिजवी, मुकेश गुप्ता, ध्वज शर्मा, ध्वनि शर्मा, माधव शर्मा, नरसिंग यादव एवं राकेश उर्फ राहुल यादव शामिल हैं।पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है तथा विवेचना लगातार जारी है।

पुलिस टीम का सराहनीय योगदान

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक गोपाल ध्रुव, रघुराज यदु, अशरफ खान, चंद्रशेखर राजपूत तथा आरक्षक पुरुषोत्तम कुम्भकार, सौरभ सिंह, शिव कुमार सेन, बिरेन्द्र साहू, सुशील यादव सहित थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपादकीय

बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति, बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत या सामाजिक माहौल का असर?

घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी? पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।हरियाणा में पंचकूला के एक स्कूल में महज तीसरी कक्षा के छात्र का जैसा बर्ताव सामने आया है, वह भविष्य के समाज के प्रति चिंतित और संवेदनशील किसी भी इंसान को परेशान करने के लिए काफी है। जिस उम्र में बच्चे साथ मिल कर खेलते हैं, आपस में झगड़ते हैं और थोड़ी देर बाद फिर पहले की तरह हंसते-खिलखिलाते हैं, उसमें एक बच्चा अगर किसी छोटी बच्ची पर बेरहमी के साथ जानलेवा हमला करता है, तो इसकी जड़ें कहां से निकल रही हैं?

यह त्रासद घटना हाल ही में सामने आई, जब एक वीडियो में खाली कक्षा में आठ साल के एक छात्र ने छह वर्ष की बच्ची को बेलगाम तरीके से पीटा और बेहोश होने के बाद भी किसी वस्तु से जानलेवा हमला करता रहा।शर्मनाक यह है कि कई मिनट तक हुई यह घटना कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो रही थी, लेकिन इतनी देर तक न तो कक्षा में कोई आया और न ही नियंत्रण कक्ष में स्क्रीन पर कोई देखने वाला था। अनदेखी से लेकर लापरवाही की पूरी शृंखला बताती है कि यह घटना जहां स्कूल में एक व्यापक कुप्रबंधन की है, वहीं सामाजिक उदासीनता आज एक ऐसी स्थिति निर्मित कर रही है, जिसमें छोटे बच्चे एक बड़े खतरे से दो-चार हैं।घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी?

पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।स्मार्टफोन की लत ने लोगों के व्यक्तित्व को किस कदर विकृत करना शुरू कर दिया है, यह किसी से छिपा नहीं है। बच्चे इसका सबसे नाजुक शिकार बन रहे हैं। इस तरह के आभासी खतरे से अनजान माता-पिता प्यार के नाम पर बच्चों के इसके लत का शिकार होने की अनदेखी करते हैं।नतीजतन, उसके सोचने-समझने से लेकर खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका बेलगाम बिखराव से संचालित होने लगता है। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। सवाल है कि इस क्रम में जैसा समाज बन रहा है, बच्चों पर जैसा असर हो रहा है, उसमें भविष्य की कैसी दुनिया बन रही है!

महाराष्ट्र में सूखे का कहर, बूंद-बूंद को तरस रही 55 फीसदी खेती वाली जमीन

सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

(अंकिता देशकर)

बीते तीन सालों में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ इलाकों में बारिश का औसत सामान्य से काफी कम रहा है। मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले की 80 फीसदी आबादी अब पानी के टैंकरों पर निर्भर है।

महाराष्ट्र देश के अमीर राज्यों में से एक है। लेकिन, यहां पर भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक विषमताएं इस कदर हावी हैं कि 'अमीर राज्य' का खिताब कागजों पर ही अच्छा लगता है। राज्य के अधिकांश इलाके ऐसे हैं जहां पर सूखा और किसानों की बदहाली बाकी राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा है। मराठवाड़ा और विदर्भ के क्षेत्र लगातार सूखे और किसान आत्महत्याओं को लेकर चर्चा में रहे हैं। इंडियास्पेंड की एक रिपोर्ट के मुताबिक मराठवाड़ा स्थित बीड़ जिले में सूखा पहले के मुकाबले काफी जल्दी अपना प्रकोप दिखाने लगा है। गांवों के तमाम तालाब और कुंए सूख चुके हैं। आदमी, मवेशी और किसानों के खेत बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बीड़ जिले के कई गांवों में टैंकरों के जरिए पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां लोगों को रोजाना घंटो लाइन में लेकर पानी लेना पड़ता है।

तीन साल पहले महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कई गांवों में पंचायतों के साथ मिलकर कुंओं का निर्माण कराया था। लेकिन, वे सभी कुंए सूख चुके हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह कई सालों से सामान्य से काफी कम बारिश का होना है। बीड़ के सभी 11 तालुका सूखे की भयंकर चपेट में हैं। बीते तीन सालों में बारिश का अनुपात सामान्य से काफी कम रहा है। इसकी वजह से जमीन का पानी भी काफी नीचे चला गया है। सबसे बड़ी बात की इस जिले की करीब 80 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। मगर, व्यापक स्तर पर अभी तक कोई ऐसी ठोस योजना नहीं बन पाई है जिससे 80 फीसदी लोगों को सीधे पाइपलाइन के जरिए पानी मुहैया कराया जा सके।

अगर पूरे मराठवाड़ा क्षेत्र की बात करें तो यहां के 77 फीसदी किसानों की जमीन 5 एकड़ से ज्यादा नहीं है। इंडियास्पेंड की जुलाई 2017 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय आय की तुलना में 12,547 रुपये कम हैं। लगातार सूखे की वजह से किसानों के आत्महत्याओं की खबरें भी सुर्खियों में रही हैं। 2018 में यहां पर 125 किसानों ने खुदकुशी कर ली। पानी की कमी की वजह से बड़े किसानों ने रबी की फसल की बुवाई छोड़ दी। इलाके के लोग चीनी मीलों में काम करने के लिए बाध्य हैं। वैसे महाराष्ट्र का करीब 50 फीसदी



हिस्सा पानी की कमी से जूझ रहा है। वहीं, इंडिया स्पेंड की एक दूसरी रिपोर्ट के मुताबिक पूरे भारत की 40 फीसदी जमीन पर सूखे का प्रभाव है। ऐसे में इसकी डायरेक्ट मार गांव-देहात और किसानों पर ही पड़ रही है।

मौसंबी, संतरा और अनार की फसलें बर्बाद, किसानों को लाखों का नुकसान : राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। महाराष्ट्र में सूखे की बिगड़ती स्थिति का असर अब फल उत्पादक इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। जालना जिले की अंबड तहसील में मौसंबी के पेड़ों पर लगे फल सिकुड़कर मुश्किल से नींबू के आकार के रह गए हैं। कुछ पेड़ धूप की मार से भूरे पड़ चुके हैं, जबकि पके फल जमीन पर बिखरे पड़े हैं।विदर्भ के अमरावती जिले के लिंगा गांव में तो संतरा उत्पादक किसान पेड़ों को बचाने की उम्मीद में समय से पहले ही कच्चे फल तोड़ने लगे हैं।राज्य में एक जून से 26 सितंबर के बीच सामान्य से 18 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद राज्य की 358 में से 304 तहसीलों में सूखा या सूखे जैसी स्थिति घोषित कर दी गई। मराठवाड़ा और विदर्भ में बारिश की कमी के कारण फलों के आकार छोटे हो गए हैं, फसलें बर्बाद हो गई हैं तथा पेड़ सूखने लगे हैं।

संतरे के पौधों को नुकसान : अमरावती जिले के लिंगा गांव में संतरा उत्पादक किसान शिवहरी हडके अपने करीब दो एकड़ के बगीचे में लगे 18 साल पुराने पेड़ों से कच्चे संतरे तोड़ रहे हैं। इन फलों का आकार आंवले जितना ही है। फल देने वाले पेड़ों को नियमित रूप से पानी की जरूरत होती है। ऐसे में शिवहरी हडके को उम्मीद है कि कच्चे फल तोड़ने से पेड़ों की पानी की जरूरत कम होगी और बाकी पेड़ों को बचाया जा सकेगा। शिवहरी हडके के बगीचे में करीब 250 पेड़ हैं, जिनमें से 10 पहले ही सूख चुके हैं। उनके छोटे भाई के बगीचे के 70 पेड़ भी सूख गए हैं। हडके के कुछ पेड़ पिछले साल भी मुरझा गए थे। परिवार को जानवरों के कारण हुए नुकसान से भी जूझना पड़ रहा है। जानवरों ने पेड़ों की छाल खरोंच दी है, जिससे वे और कमजोर हो गए हैं।

मौसंबी के फलों को नुकसान : मराठवाड़ा में लगातार पड़ रहे सूखे और कीटों के हमलों ने जालना जिले के कुछ हिस्सों में मौसंबी का उत्पादन लगातार घटा दिया है। जालना के रोहिलागढ़, अंबड और घनसावंगी के साथ-साथ बीड के गेवराई और छत्रपति संभाजीनगर के पैठण इलाके कभी मौसंबी के बगीचों के लिए मशहूर थे। लेकिन बार-बार फसल बर्बाद होने के कारण कई किसानों ने फल उगाना ही छोड़ दिया है।

आनार की खेती से हुआ नुकसान: इस साल अनार की फसल बर्बाद होने से उन्हें करीब 2.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ढाई एकड़ खेत में अनार के 500-600 पेड़ लगाए थे। इस पर करीब 2.5 लाख रुपये खर्च किए थे। लेकिन बारिश नहीं हुई और पूरी फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था करना भी संभव नहीं था। 400 से ज्यादा पेड़ पूरी तरह सूख गए। बाकी पेड़ों पर छोटे फल तो लगे, लेकिन वे बेचने लायक नहीं थे। अब हम उन पेड़ों को काट देंगे। मुझे नहीं पता कि बीमा और मुआवजे के रूप में कितनी रकम मिलेगी, लेकिन इस नुकसान को स्वीकार करना बहुत मुश्किल है।

अब स्थानीय बाजारों में मौसंबी सीमित मात्रा में उपलब्ध है और इसकी कीमत 35 रुपये प्रति किलो है। इस साल महाराष्ट्र को मौसंबी की मांग पूरी करने के लिए आंध्र प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ सकता है।नागपुर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय खट्टे फल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीसीआरआई) के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि खराब मौसम के कारण खट्टे फलों की खेती में भारी नुकसान हो सकता है।संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक ए. थिरुगनानवेल ने बताया कि इस साल विदर्भ जैसे प्रमुख संतरा उत्पादक इलाकों में बारिश सामान्य से करीब 30-40 फीसदी कम हुई है। बारिश वाले दिनों की संख्या कम रहने और बारिश का असमान वितरण होने से किसानों को अपने बगीचों की सिंचाई करने में मुश्किल हो रही है।

बारिश की मात्रा और वितरण दोनों जरूरी : ए. थिरुगनावेल ने कहा, बारिश की कुल मात्रा के साथ-साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि बारिश कितने समय तक होती है। इस साल बारिश की मात्रा और अवधि, दोनों ही जरूरत के मुताबिक नहीं रहीं। इसके कारण किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पाए। अधिक तापमान, पानी की कम उपलब्धता और वाष्पीकरण बढ़ने से सूखे जैसी स्थिति पैदा हुई।

पानी की कमी का असर अब फलों के आकार और पेड़ों के जीवित रहने पर भी दिखाई दे रहा है। ए. थिरुगनानवेल ने कहा, जब पानी की कमी होती है तो पौधा उपलब्ध नमी का इस्तेमाल फल को पोषण देने के बजाय खुद को जीवित रखने के लिए करता है। इसका नतीजा यह होता है कि फल का आकार छोटा रह जाता है। इसके अलावा पेड़ों के सूखने की घटनाएं भी सामने आई हैं। सामान्य परिस्थितियों में खट्टे फलों का औसत उत्पादन करीब 13 टन प्रति हेक्टेयर होता है। एक फल का वजन 140 से 180 ग्राम तक होता है। लेकिन सूखे से प्रभावित बगीचों में उत्पादन घटकर सात से आठ टन प्रति हेक्टेयर रह सकता है। इससे बड़े पैमाने पर उत्पादन घटने की आशंका है।संस्थान के निदेशक एन. जी. पाटिल ने कहा कि राज्य के संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अक्सर लोग बारिश की कुल मात्रा देखकर मान लेते हैं कि स्थिति बहुत खराब नहीं है। लेकिन बारिश का वितरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। फसल के गलत चरण में हुई बारिश किसानों के किसी काम नहीं आती। कृषि सूखा और जलवैज्ञानिक सूखा भी अलग-अलग होते हैं।फलों का रंग ठीक से विकसित नहीं होने पर बाजार में उनकी कीमत और गिर सकती है। वहीं, लंबे समय तक नमी की कमी से पेड़ कमजोर हो जाते हैं और उन पर कीटों तथा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जो पेड़ स्थायी रूप से मुरझाने की स्थिति से आगे बढ़कर पूरी तरह सूख चुके हैं, उनके दोबारा हरा होने की संभावना नहीं रहती।

आदतें ही बनाती हैं भविष्य, छोटी-छोटी कोशिशों से बदल सकती है...

(सुरेश कुमार सारण)

जो मनुष्य जब चाहे अपनी आदतों को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है, नई आदतें बना सकता है और पुरानी छोड़ सकता है, वह अपने जीवन में मनचाहा परिणाम भी हासिल कर सकता है। मनुष्य के भीतर सबसे ठोस और स्थायी चीज आदतें ही हैं। आदतें मुश्किल से बनती हैं और लंबे वक्त तक पीछा नहीं छोड़तीं। बार-बार दोहराने की वजह से आदतें स्वचालित बन जाती हैं। मनुष्य का व्यवहार उसकी आदतों से ही जुड़ा होता है। मनुष्य का चरित्र, व्यक्तित्व और उसकी सफलता उसकी आदतों से अनिवार्य रूप से संबद्ध होती हैं। मनुष्य अलग-अलग आदतों के जुड़ने से बना प्राणी है।

हर व्यक्ति हर चीज को अलग तरह से ग्रहण करता है और अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। यह विशिष्टता उसकी मनोवृत्ति और किसी चीज से उसके व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव के अनुपात से बनती है। मनोविज्ञान के अनुसार मनुष्य के दैनिक कार्यों का लगभग चालीस फीसद हिस्सा सोच-समझकर लिए गए फैसलों का नहीं, बल्कि उसकी आदतों का परिणाम होता है। हम उन्हीं चीजों को बिना सोचे-समझे दोहराते हैं, जिन पर अभ्यास के द्वारा फैसला ले चुके हों। मनुष्य के निर्णय उसकी अपनी आदतों से बनते हैं। आदतें एक तरह से निर्णय ही हैं। मनुष्य द्वारा लिए गए निर्णयों के योग से उसका भविष्य बनता है।

मनुष्य की नियति और उसकी आदतों में सीधा संबंध होता है। नियति उसके निर्णयों से मिलकर बनती है। वह निर्णयों से अलग अपने आप में कोई स्थिति नहीं है, इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है। मनुष्य अपनी नियति को अपने व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया में सृजित करता है। वह दैनिक जीवन की आदतों के संचय से इसे अर्जित करता है। जो मनुष्य जब चाहे अपनी आदतों को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है, नई आदतें बना सकता है और पुरानी छोड़ सकता है, वह अपने जीवन में मनचाहा परिणाम भी हासिल कर सकता है। परिणाम आदतों का समुच्चय है। हम जो खुराक उसमें डालेंगे, उसी के अनुरूप नतीजे सामने आएँगे। कोई नतीजा अपने आप से पैदा नहीं हो सकता। नई आदतों को विकसित करने और फालतू अनुत्पादक आदतों को छोड़ने के लिए जरूरी है कि इन आदतों से लंबे समय में मिलने वाले परिणामों के बारे में सचेत रहा जाए। कोई भी आदत एकदम से मनुष्य के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन नहीं कर सकती है। वे धीमी गति से काम करती हैं। उनके परिणाम देर से मिलते हैं, लेकिन वे अवश्यंभावी और स्थायी होते हैं। आदतें कोई चमत्कार नहीं कर सकतीं, इसीलिए हम उनके बारे में कम सचेत रहते हैं। हमें लगता है कि इनसे कुछ भी खास नहीं होगा। लोगों को तुरंत हासिल होने वाले परिणाम चाहिए, लेकिन वे कहानियों और कल्पनाओं के अलावा कहीं नहीं होते। हर चीज एक निश्चित प्रक्रिया में घटित होती है। इस प्रक्रिया में अलग-अलग दौर और मनोस्थितियाँ शामिल होती हैं। इसमें आशा-निराशा, संभावना और पुरस्कार शामिल होते हैं। मनुष्य अपनी आदतों को दिनचर्या के अनिवार्य और अपरिवर्तनीय हिस्से के रूप में देखता है। वह उन्हें सजग हुए बिना दोहराता जाता है। रोज दोहराई जाने वाली आदतें हमारे जीवन में क्या बेहतर कर सकती हैं, इस बारे में सोचने पर आदतों के प्रति सतर्कता स्वभाव का हिस्सा बन जाएगी।

आदतें रोज जारी रहने वाली क्रिया हैं। जब हम किसी कार्य को आदत बना लेते हैं, तो वह लक्ष्य पूरा होना तय है। रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर भी हम बहुत ज्यादा पढ़ लेते हैं। जब हम महान व्यक्तियों के जीवन पर निगाह डालते हैं, तो पता चलता है कि उन्होंने अपने भीतर कुछ अच्छी आदतें विकसित कीं, जिन्हें वे ताउम्र दोहराते रहे। कोई भी चीज आसमान से नहीं उतरती, मनुष्य के भीतर धीरे-धीरे आकार लेती है। वह किसी एक दिन पूरी हो जाती है, लेकिन उसका चलना कई-कई महीनों और सालों का होता है। अनुशासन अच्छी आदतों से ही बनता है।

आदतें तुरंत परिणाम नहीं देतीं और उनके परिणाम भविष्य में होते हैं। इसीलिए व्यक्ति बुरी आदतों को छोड़ नहीं पाता। उसे लगता है कि इन आदतों से उसे कोई प्रत्यक्ष नुकसान नहीं हो रहा। जब परिणाम एक लंबी प्रक्रिया में मिलता है, तब अच्छी आदतों को विकसित करना मुश्किल होता जाता है। मानव स्वभाव से ही तुरंत परिवर्तन चाहता है। लंबे वक्त तक प्रेरणा और उत्साह बनाए रखना सबके वश की बात नहीं होती। जो लोग ऐसा कर पाते हैं, वे मानवीय सीमाओं को बढ़ाते हैं और महानता के करीब पहुँच जाते हैं। अपने क्षेत्रों में शिखर पर पहुँचे हुए लोगों में एक ही समानता है कि वे अपने क्षेत्र के लिए जरूरी कार्य को रोजाना करते हैं, सालों-साल के अभ्यास के बावजूद वे इसे करते हैं और पारंगत हो जाते हैं। वे जरूरत और अभ्यास को एक आदत बना लेते हैं। कुछ करना और उसे दोहराना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। सफलता पाने का यही एक सूत्र है, जिसे मानव इतिहास में अधिकतम कामयाबी मिली है। पश्चिमी दार्शनिक विल ड्यूरेंट ने कहा है कि 'हम वही हैं, जो हम बार-बार करते दिखते हैं। इसलिए, उत्कृष्टता कोई क्रिया नहीं, बल्कि एक आदत है।' महान वे होते हैं जो उत्कृष्टता को क्रिया में तब्दील कर पाने में समर्थ हो जाते हैं। आदतों से नियंत्रित होने के बजाय उन्हें अपने अनुसार विकसित करके मनुष्य अपने जीवन के नियंत्रण को अपने हाथ में ले सकता है। हम आदतों को इस तरह देखते हैं जैसे वे अपने आप बन गई हैं और उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। इसी से नियतिवादी दृष्टिकोण का जन्म होता है। दरअसल, मनुष्य में बहुत कम चीजें हैं, जो बदली न जा सकती हों। अपनी आदतों को बदलकर मनुष्य अपने जीवन में आमूलचूल परिवर्तन कर सकता है और जो चाहे हासिल कर सकता है।

किताबों और खिलौनों की उम्र में हिंसा का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं बच्चे?

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय....

(योगेश कुमार गोयल)

यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8-10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है। जब पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार-बार प्रहार किए। करीब 96 सैकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ। सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने



वाला कोई व्यस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है? उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल-सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।

इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता-पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता-पिता के झगड़े, गाली-गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है, जो अपने आसपास बार-बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है।

दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है। तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं। यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सवाल है कि एक छह साल की बच्ची स्कूल परिसर में एक अन्य छात्र के साथ ऐसी स्थिति में कैसे पहुंच गई, जहां उस पर लगातार हमला होता रहा और किसी शिक्षक या कर्मचारी को समय रहते इसकी जानकारी नहीं मिली? यदि स्कूल में शिक्षकों की कमी थी, एक शिक्षक को कई कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालनी पड़ रही थी अथवा ड्यूटी व्यवस्था में कोई खामी थी तो यह भी जांच का विषय है।

यह पहली घटना नहीं है, जब स्कूलों में बच्चों के बीच हिंसा ने पूरे देश को झकझोरा हो। वर्ष 2017 में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सात वर्षीय प्रद्युम्न ठाकुर की हत्या, 2018 में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में चाकूबाजी, 2019 में तमिलनाडु के कोडईकनाल में क्रिकेट विवाद के बाद छात्र की हत्या, 2021 में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में छात्र की चाकू मारकर हत्या, 2025 में अहमदाबाद में छात्र की हत्या और 2026 में सूरत में स्कूल परिसर में चाकूबाजी जैसी घटनाएं अलग-अलग समय पर सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों की परिस्थितियां अलग हैं लेकिन एक बात समान है कि स्कूल, जिन्हें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

बॉक्स ऑफिस पर जारी है 'रामायण' का तूफान

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर 'रामायण 'से बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। ये बिग बजट फिल्म महज 7 दिनों में उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्म बन चुकी है। जबकि अब ये उनकी पहली 1 हजार करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म भी बनने जा रही है। सात दिनों में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी फिल्म रामायण जल्द ही 1000 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। रणबीर कपूर बॉलीवुड में करीब दो दशक से काम कर रहे हैं।



बॉलीवुड सुपरस्टार का एक्टिंग डेब्यू साल 2007 की फिल्म 'सांवरिया' से हुआ था। रणबीर अपने 19 साल के करियर में कई बेहतरीन फिल्मों से फैंस का दिल जीत चुके हैं। हालांकि अब तक उनकी कोई भी मूवी 1 हजार करोड़ क्लब में शामिल नहीं हुई है। उनकी सबसे कमाऊ फिल्म 'एनिमल' थी जो साल 2023 में आई थी। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने दुनियाभर में 917 करोड़ रुपये कमाए थे। इस रिकॉर्ड को महज सात दिनों में ही रामायण तोड़कर आगे निकल चुकी है।रामायण रणबीर कपूर के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं अब ये उनके करियर की पहली 1 हजार करोड़ी फिल्म बनने के लिए तैयार है। बता दें कि 5 नवंबर को रिलीज हुई रामायण ने पहले दिन दुनियाभर में 155 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन से लेकर सात दिनों तक हर दिन मूवी ने 100 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया है। रणबीर कपूर की 5 सबसे कमाऊ फिल्में (वर्ल्डवाइड कलेक्शन),रामायण- 934 .55 करोड़ रुपये (7 दिनों में),एनिमल- 917 .82 करोड़ रुपये,संजू- 588 .50 करोड़ रुपये,ब्रह्मास्त्र- 431 करोड़ रुपये,ये जवानी है दीवानी- 319 करोड़ रुपये।। रामायण का बुधवार, 11 नवंबर को थिएटर्स में 7वां दिन था। बीते कल फिल्म ने भारत में 70 .65 करोड़ रुपये की कमाई की थी। जबकि ओवरसीज में कलेक्शन 25 करोड़ रुपये रहा। अब तक रामायण का भारत में नेट कलेक्शन 511 .10 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 611 .05 करोड़ रुपये हो चुका है। जबकि वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 934 .55 करोड़ रुपये पहुंच गया।

'किंग' के 'तू मिल जाए' सॉन्ग पर शाहरुख खान ने किया डांस

फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में किंग खान अपनी पत्नी गौरी खान के साथ दुबई में एक इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने पूरी महफिल लूट ली। इस दौरान शाहरुख ने अपनी फिल्म 'किंग' के गाने 'तू मिल जाए' पर जमकर डांस किया।उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, इवेंट में शाहरुख खान के स्टाइलिश अंदाज ने भी सबका ध्यान खींचा। फैंस को शाहरुख का डांस और उनका लुक काफी पसंद आ रहा है।

सामने आए वीडियो में शाहरुख खान स्टेज पर 'तू मिल जाए' गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। उनके डांस मूव्स और एनर्जी ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींच लिया। इस दौरान उन्होंने अपना सिग्नेचर पोज भी दिया। इवेंट के लिए शाहरुख ने ऑल ब्लैक लुक चुना था। वो ब्लैक ब्लेजर में नजर आए, जिसके कॉलर और स्लीव्स पर खास डिजाइन किया गया था। इसके साथ उन्होंने मैचिंग ट्राउजर पहना था। वहीं, सनग्लासेस, कान में ईयररिंग और उनके खास हेयरस्टाइल ने उनके लुक को और शानदार बना दिया। इस दौरान उनका स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा था। फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' शाहरुख खान के जन्मदिन यानी 2 नवंबर को रिलीज किया गया था। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण नजर आ रही हैं। गाने में दोनों की केमिस्ट्री फैंस को काफी पसंद आई है। शाहरुख खान फिल्म 'किंग' के जरिए करीब तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही ये एक्शन थ्रिलर फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात ये है कि इस फिल्म में पहली बार शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर पहले से ही काफी बज बना हुआ है।



नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2' का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस नयनतारा इन दिनों अपनी फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' को लेकर चर्चा में हैं। 6 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। रिलीज के 6 दिन बाद भी फिल्म की कमाई कुछ खास नहीं रही है। नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मन 2' ने रिलीज के छठे दिन भारत में 1 करोड़ रुपये कमाए। 'मूकुथी अम्मन 2' के छठे दिन की कमाई में गिरावट देखने को मिली। सैकनिल्क के मुताबिक, 'मूकुथी अम्मन 2' ने बुधवार यानी छठे दिन भारत में 1 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। फिल्म को इस दिन कुल 1,589 शोज मिले। इसमें तमिल वर्जन ने 1,366 शोज से 87 लाख रुपये कमाए, जबकि तेलुगु वर्जन ने 223 शोज से 13 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल इंडिया नेट कमाई 17 .18 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 19 .87 करोड़ रुपये पहुंच गया है।



'शेरशाह' फेम सिद्धार्थ और निर्देशक आदित्य धर की जोड़ी को लेकर फैंस में उत्साह



बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा हाल ही में अपनी पत्नी कियारा आडवाणी के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में पहुंचे थे। इस एपिसोड के दौरान, 'शेरशाह' एक्टर ने एक दिलचस्प बात बताई। दरअसल उन्होंने बताया कि वे धुंधर डायरेक्टर आदित्य धर संग काम करने वाले थे।दरअसल बातचीत के दौरान, करण जौहर ने सिद्धार्थ से पूछा, "आदित्य धर, मोहित सूरी, संदीप रेड्डी वांगा, संजय लीला भंसाली ये आजकल के चर्चित डायरेक्टर हैं। क्या इनमें से कोई ऐसा है, जिसके साथ काम करने के लिए आप कुछ भी करने को तैयार हैं?" इस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने तुरंत जवाब दिया, "वाह, मुझे लगता है कि ये सभी बहुत शानदार हैं, शायद आदित्य, क्योंकि मेरी पहले भी उनसे बातचीत हो चुकी है।" तब करण ने याद दिलाते हुए कहा, "काफी समय पहले आप उनके साथ एक फिल्म करने वाले थे।" इस पर सिद्धार्थ ने जवाब दिया, "हां, धर्मा (प्रोडक्शन्स) में ही।"इस बातचीत ने लोगों के मन में यह जानने की एक्साइटमेंट जगा दी है कि आदित्य धर और सिद्धार्थ मल्होत्रा का साथ कैसा हो सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि दोनों ही देशभक्ति से जुड़ी कहानियों पर काम कर चुके हैं।बता दें कि पिछले कुछ सालों में, सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'शेरशाह', 'मिशन मजनू', 'योद्धा' और 'अय्यारी' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इन फिल्मों में उन्होंने ऐसे किरदार निभाए हैं जो देश के सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदान को दर्शाते हैं। 'शेरशाह' में कैप्टन विक्रम बत्रा का उनका किरदार उनके करियर के सबसे बेहतरीन और यादगार अभिनय में से एक माना जाता है। एक राष्ट्रीय नायक की कहानी को पर्दे पर उतारने वाली फिल्म को कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीते थे। वहीं आदित्य धर ने एक ऐसे फिल्म निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई है, वे अपनी फिल्मों में बड़े स्केल, इमोशनंस और ऐसी कहानियों को पिरोते हैं, जो देश की आत्मा से गहराई से जुड़ी होती हैं।

'हनुमान अंश' के बिके ओटीटी और टीवी राइट्स

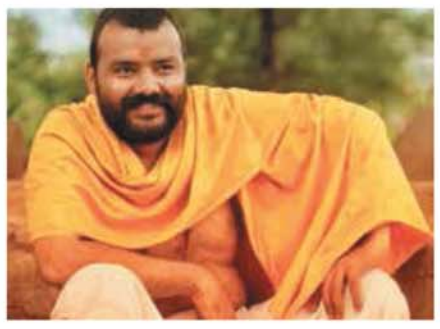

फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी थी। अब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के बाद ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म के ओटीटी और टीवी राइट्स कितनी कीमत में बिके हैं, इसे लेकर भी अब खबरें सामने आ रही हैं। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म के ओटीटी और टीवी राइट्स 63 करोड़ में बिके हैं। ओटीटी और टीवी राइट्स सोनी ने खरीदे हैं। सोर्स के हवाले से लिखा, 'सोनी ने हनुमान अंश के डिजिटल और टीवी राइट्स 63 करोड़ में खरीदे हैं। ये बड़ा अमाउंट है। लेकिन हनुमान अंश भी छोटी फिल्म नहीं है। इस फिल्म ने पूरे देश की ऑडियंस को अट्रैक्ट किया है। सिंगल स्क्रीन से लेकर मल्टीप्लेक्स तक, गांव से लेकर शहर तक। एक बड़ा सेक्शन ऐसा भी है जिसने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है। वहीं कई ऐसे हैं जो दोबारा देखना चाहते हैं। ऐसे में सोनी की टीम को ये विश्वास है कि फिल्म के डिजिटल और टीवी दोनों पर अच्छी व्यूअरशिप मिलेगी। इसी लिए उन्होंने इस प्राइज पर राइट्स खरीदे।' इसके अलावा टीम मुंबई में एक सक्सेस पार्टी भी करने का प्लान कर रही है। लेकिन ये टिपिकल पार्टीज से अलग होगी। मेकर्स आध्यात्मिक थीम पर सक्सेस पार्टी करना चाहते हैं।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन उत्साह और नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ जरूरी काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। प्रभावशाली लोगों से संपर्क लाभदायक साबित हो सकता है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में नई योजनाएं बनाने का अवसर मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को भी भविष्य के लिए अच्छी योजना बनाने का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। ऑफिस में होने वाली मीटिंग या जरूरी चर्चा को नजरअंदाज न करें, क्योंकि इससे आपके काम को नई दिशा मिल सकती है। क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोगों को नया असाइनमेंट मिलने की संभावना है। सरकारी या राजकीय पक्ष से सहयोग मिल सकता है।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन राहत और सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। मेहनत और समझदारी से आप विपरीत परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा और अटके हुए काम आगे बढ़ेंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए दिन कई मामलों में अनुकूल रह सकता है। सामाजिक संपर्कों का लाभ मिलेगा और प्रभावशाली लोगों से बातचीत के नए अवसर बनेंगे। पिछले कुछ समय से चली आ रही आर्थिक परेशानियों का समाधान मिलने की उम्मीद है। किसी महिला मित्र के माध्यम से लाभ हो सकता है।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन शुभ और लाभदायक रहने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और चारों ओर से अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती हैं। आपकी उम्मीदों को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए धन प्राप्ति के अवसर बन सकते हैं।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन पुरानी परेशानियों से राहत दिलाने वाला हो सकता है। निराशा दूर होगी और शिक्षा, बुद्धि तथा प्रतिभा के क्षेत्र में विकास के अवसर मिलेंगे। नौकरी और आजीविका से जुड़े अधूरे प्रयास पूरे होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी और बिगड़े हुए काम बनने लगेंगे।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन मेहनत का पूरा फल दिला सकता है। अपनी मधुर वाणी और समझदारी से आप कठिन काम भी आसानी से पूरे कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की चुनौतियों का सामना करने में सफलता मिलेगी। लंबे समय से संकल्पित कार्य पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन आर्थिक और पारिवारिक मामलों में अच्छा रह सकता है। किसी महत्वपूर्ण काम के पूरा होने से राहत मिलेगी। व्यापार में विस्तार और लाभ के अवसर बनेंगे। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलने की संभावना है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन नई योजनाओं को आगे बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति होगी और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। बातचीत की कला और चतुराई से बिगडे हए काम बनाने में सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन मिला-जुला रह सकता है। घरेलू जरूरतों पर अधिक खर्च होने से बजट प्रभावित हो सकता है। कुछ पारिवारिक या व्यक्तिगत चिंताएं मानसिक तनाव बढ़ा सकती हैं। कार्यक्षेत्र में नए विरोधियों के कारण मुश्किलें सामने आ सकती हैं, इसलिए किसी भी मामले में जल्दबाजी न करें।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्रवार का दिन करियर और आर्थिक मामलों में अनुकूल रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। बेरोजगार जातकों को रोजगार का नया साधन मिलने की संभावना है। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों का स्थानांतरण हो सकता है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए शुक्रवार का दिन समझदारी और सूझबूझ से सफलता दिलाने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी जटिल समस्या का समाधान निकालने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धिमत्ता और चतुराई से आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। परिवार में विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बन सकती है।

छठ पर्व पर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-आराधना



दिवाली पर्व के समापन के बाद छठ पर्व की धूम होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के साथ छठ महापर्व की शुरुआत होती है। यह पर्व मुख्य रूप से सबसे ज्यादा बिहार में मनाया जाता है। छठ पर्व चार दिनों तक चलता है जिसमें उगते और डूबते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। छठ पर्व पर व्रती अपने संतान की लंबी आयु और अच्छी सेहत के लिए करीब 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखती हैं। इस वर्ष छठ पर्व की शुरुआत 13 नवंबर से हो रही है। आइए जानते हैं छठ महापर्व के दौरान नहाय खाय, खरना और ऊषा अर्घ्य का शुभ मुहूर्त समेत सभी जानकारियां।

छठ पूजा तिथि 2026

पंचांग के अनुसार, चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। सप्तमी तिथि से छठ महापर्व की शुरुआत होती है। पंचांग के अनुसार, सप्तमी तिथि 12 नवंबर को शाम 06 बजकर 09 मिनट से आरंभ हो जो 13 नवंबर को रात 08 बजकर 42 मिनट पर खत्म होगी। उदया तिथि के अनुसार छठ महापर्व 13 नवंबर से शुरू होगा। छठ का मुख्य पर्व षष्ठी तिथि को मनाया जाएगा

नहाय-खाय	13 नवंबर, शुक्रवार
खरना	14 नवंबर, शनिवार
संध्या अर्घ्य	15 नवंबर, रविवार
ऊषा अर्घ्य	16 नवंबर, सोमवार

चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय मनाया जाता है। यह कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को शुरू होता है। इसमें व्रती महिलाएं और पुरुष स्नान करके सात्विक भोजन करते हैं, जिसमें लौकी सी सब्जी, चने की दाल और चावल आदि खाया जाता है।

खरना- 14 नवंबर 2026

छठ पर्व के दूसरे दिन खरना आता है, जो कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को होता है। खरना पर व्रत और पूजा के लिए सभी तरह की सामग्री को एक जगह एकत्रित करते हैं। फिर शाम के समय गुड़ या फिर चावल और गन्ने के रस से खीर बनाई जाती है। इसके अलावा कई जगहों पर रोटी भी बनाई जाती है। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

संध्या अर्घ्य- 15 नवंबर 2026

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य होती है। जिसमें शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। संध्या अर्घ्य पर डूबते हुए सूर्य को जल देने की परंपरा है। इस दिन शाम को व्रती घाट पर एकत्रित होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दौरान छठ पर्व में सूप में ठेकुआ, फल, गन्ना समेत दूसरी पूजा सामग्री को रखकर अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सूर्यास्त का समय पंचांग के अनुसार शाम 5 बजकर 28 मिनट पर होगा।

ऊषा अर्घ्य- 16 नवंबर 2026

16 नवंबर को ऊषा अर्घ्य देते हुए छठ महापर्व का समापन होता है। इस दिन व्रती उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं। इस दिन व्रती अपने परिवार के सदस्यों संग सुबह घाट पर पहुंचकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। पंचांग के अनुसार, 16 नवंबर को दिल्ला में सूर्योदय सुबह 6 बजकर 44 मिनट पर होगा।

आंगन में तैयार करें छठ पूजा का घाट



छठ पूजा का नाम आते ही आंखों के सामने नदी या तालाब का किनारा, सजा हुआ घाट, बांस के सूप में रखे फल और पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देते व्रती की तस्वीर उभरने लगती है। लेकिन हर किसी के लिए नदी या तालाब तक पहुंच पाना आसान नहीं होता। किसी के घर में बुजुर्ग हैं, तो किसी को भीड़ और दूरी की परेशानी होती है। अगर आप भी इस बार किसी वजह से सार्वजनिक घाट पर नहीं जा पा रहे हैं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपने घर के आंगन, छत या खाली जगह पर भी साफ-सुथरी व्यवस्था बनाकर छठ पूजा कर सकते हैं। आइए जानते हैं घर में छठ घाट तैयार करने का आसान तरीका।

सबसे पहले चुनें सही जगह

घर में छठ घाट बनाने के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां पर्याप्त खुली जगह हो। आंगन, छत या घर के किसी साफ हिस्से का चुनाव कर सकते हैं। ध्यान रखें कि वहां आसपास गंदगी न हो और पूजा के दौरान परिवार के सदस्यों को आने-जाने में परेशानी न हो।

छोटा कृत्रिम तालाब तैयार करें

अगर आंगन में जगह है, तो ईंटों की मदद से छोटा सा चौकोर या आयताकार कुंड बना सकते हैं। इसमें पानी भरने के लिए साफ प्लास्टिक शीट या मजबूत टब का इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्यान रखें कि पानी बाहर न निकले और आसपास फिसलन न हो। कुंड की गहराई ऐसी रखें कि व्रती सुरक्षित तरीके से पूजा कर सकें।

छठ पूजा में साफ-सफाई, नियम, परंपरा और श्रद्धा का विशेष महत्व है। अगर किसी वजह से आप सार्वजनिक घाट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, तो घर में भी उचित व्यवस्था करके पूजा की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि पूजा की विधि और परंपराएं परिवारों के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों और व्रत करने वाले व्यक्ति की सलाह से ही व्यवस्था करें।



अर्घ्य के लिए रखें खास इंतजाम

घर में बनाए गए कुंड या साफ पानी से भरे बड़े पात्र के सामने खड़े होकर परंपरा के अनुसार सूर्य देव को अर्घ्य दिया जा सकता है। इसके लिए परिवार की परंपरा और व्रत करने वाले व्यक्ति की सुविधा का ध्यान रखें। अर्घ्य के दौरान सुरक्षा और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

फूलों और केले के पत्तों से करें सजावट

छठ घाट को सुंदर बनाने के लिए केले के पत्ते, फूल, आम के पत्ते और पारंपरिक सजावटी सामग्री का इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में उपलब्ध चीजों से भी आकर्षक सजावट की जा सकती है। इसके लिए महंगे डेकोरेशन पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है।

पूजा सामग्री रखने की बनाएं व्यवस्था

पूजा स्थल के पास साफ जगह पर बांस का सूप, दउरा, नारियल, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद रखने की व्यवस्था करें। सभी सामग्री को व्यवस्थित तरीके से रखें, ताकि पूजा के समय किसी चीज को ढूंढने में परेशानी न हो।

छठ पूजा पर भूलकर भी न करें ये बड़ी गलतियां...

छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन और स्वच्छता से जुड़ा महापर्व है। इस दौरान व्रती चार दिनों तक पूरी श्रद्धा के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक हर दिन का अपना अलग महत्व होता है। ऐसे में पूजा की तैयारी से लेकर प्रसाद बनाने और व्रत का पारण करने तक छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप भी छठ व्रत कर रहे हैं, तो जान लीजिए कि कौन-सी गलतियां करने से बचना चाहिए।

साफ-सफाई को नजरअंदाज न करें

छठ पूजा में स्वच्छता का विशेष महत्व होता है। इसलिए पूजा घर, रसोई और प्रसाद बनाने वाली जगह को साफ रखें। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, सूप और दउरा भी अच्छी तरह साफ होने चाहिए। प्रसाद बनाते समय भी साफ हाथों और साफ सामग्री का इस्तेमाल करें।

प्रसाद बनाते समय न करें लापरवाही

छठ पूजा में ठेकुआ, खीर और दूसरे पारंपरिक पकवानों का विशेष महत्व है। इन्हें बनाते समय शुद्धता और साफ-सफाई का ध्यान रखें। प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली सामग्री अच्छी गुणवत्ता की होनी चाहिए।

व्रत के नियमों में न करें मनमानी

छठ व्रत में संयम और अनुशासन का खास महत्व है। नहाय-खाय और खरना से लेकर अर्घ्य तक हर दिन की अलग विधि होती है। अपनी मर्जी से व्रत के नियमों में बदलाव न करें। अगर पहली बार व्रत रख रहे हैं, तो परिवार के अनुभवी सदस्यों से इसकी विधि समझ लें।

खरना का प्रसाद ग्रहण करने में जल्दबाजी न करें

खरना के दिन शाम को पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होता है, जो उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पारण तक चलता है।इस दौरान व्रती को भोजन और पानी से परहेज करना होता है। प्रसाद को भी साफ-सुथरे तरीके से तैयार करें और पूजा के बाद ही ग्रहण करें।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला: चीनी सामानों पर टैरिफ छूट दो महीने के लिए बढ़ाई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीनी सामानों की 178 श्रेणियों पर अतिरिक्त शुल्क से मिली छूट को 9 जनवरी, 2027 तक बढ़ा दिया है, क्योंकि वाशिंगटन और बीजिंग के बीच व्यापार प्रतिबद्धताओं को लेकर बातचीत जारी है।अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने मंगलवार (स्थानीय समय) को 'फेडरल रजिस्टर' में एक नोटिस जारी करके छूट की अवधि को दो महीने और बढ़ाने की घोषणा की। इससे 9 नवंबर के बाद ये छूट खत्म नहीं होंगी।

इस फैसले से अमेरिकी आयातकों को कुछ खास चीनी उत्पादों को बिना अतिरिक्त शुल्क चुकाए मंगाना जारी रखने की अनुमति मिल गई है। ये अतिरिक्त शुल्क 'ट्रेड एक्ट ऑफ 1974' की धारा 301 के तहत लगाए गए थे। यह विस्तार उन सामानों पर लागू होगा जो 10 नवंबर, 2026 से लेकर 9 जनवरी, 2027 को रात 11:59 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक अमेरिका में आएंगे। नोटिस में कहा गया है, 'चीन के साथ चल रही बातचीत को देखते हुए, व्यापार प्रतिनिधि ने तय किया है कि अभी दी गई सभी 178 छूटों को 10 जनवरी, 2027 तक बढ़ाना उचित होगा।'

इन छूटों में 164 उत्पाद श्रेणियां शामिल हैं, जिन्हें पहले के टैरिफ राहत उपायों से आगे बढ़ाया गया है। इसके अलावा, इसमें सौर ऊर्जा उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली 14 श्रेणियां भी शामिल हैं। ये छूट केवल उन्हीं उत्पादों पर लागू होती हैं जो विशिष्ट कस्टम वर्गीकरण और विवरणों की शर्तों को पूरा करते हैं। चीन से होने वाले अन्य आयात पर पहले की तरह ही टैरिफ लागू रहेंगे। यूएसटीआर (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) ने बताया कि यह विस्तार देने से पहले, पिछली समीक्षाओं के दौरान मिली सार्वजनिक



टिप्पणियों, सलाहकार समितियों की सिफारिशों और 'सेक्शन 301 कमेटी' (जो विभिन्न सरकारी एजेंसियों से मिलकर बनी है) की सलाह पर विचार किया गया। एजेंसी ने भविष्य में और बदलावों की संभावना भी खुली रखी है।

नोटिस में कहा गया है, 'ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जरूरत के हिसाब से आगे और विस्तार देने या अन्य बदलाव करने पर विचार कर सकते हैं।' यह घोषणा 6 नवंबर को अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट की, चीन के वाइस प्रीमियर हे लिफेंग के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के चार दिन बाद आई है। इस बातचीत के दौरान, ग्रीर ने बीजिंग से आग्रह किया कि वह पिछले व्यापार समझौतों के तहत किए गए वादों को पूरा करे। इनमें विशेष रूप से अमेरिकी कृषि निर्यात, 'रेयर अर्थ' तत्वों और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े वादे शामिल हैं। ग्रीर ने इस बात पर जोर दिया कि चीन को इन वादों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। प्रशासन ने कहा कि वह समझौतों के पालन पर नजर रखना जारी रखेगा। साथ ही, वह एक ऐसा संतुलित व्यापार संबंध बनाने की कोशिश करेगा जिससे अमेरिकी किसानों, निर्माताओं और श्रमिकों को फायदा हो। यह विस्तार, अन्य बातों के अलावा, नवंबर 2025 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बनी एक व्यापार समझ (ट्रेड अंडरस्टैंडिंग) पर आधारित है। उस समझौते के तहत, वाशिंगटन कुछ अतिरिक्त टैरिफ से छूट बनाए रखने पर सहमत हुआ था। वहीं, बीजिंग ने अमेरिकी सामानों पर अपनी छूट को 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ाने का वादा किया था। इस समझौते में अमेरिकी कृषि उत्पादों की चीन द्वारा खरीद, 'रेयर अर्थ' तत्वों के निर्यात पर लगी पाबंदियां, और अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनियों को प्रभावित करने वाले व्यापार उपायों जैसे मुद्दों को शामिल किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

हेगसेथ पर महाभियोग की कोशिश नाकाम: ट्रंप के सांसदों ने बचाई कुर्सी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पद से हटाने की कोशिश फिलहाल नाकाम हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव को आगे बढ़ने से रोक दिया। मंगलवार रात हुए मतदान में 211 सांसदों ने प्रस्ताव को समिति के पास भेजने के पक्ष में वोट दिया, जबकि 204 सांसद इसके विरोध में थे। इस प्रक्रिया के चलते प्रस्ताव पर सदन में सीधे बहस और मतदान नहीं हो सका। रिपब्लिकन नेताओं और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कोशिश को नाकाम करने के लिए पर्दे के पीछे से काफी मशक्कत की। हालांकि, यह हेगसेथ के लिए स्थायी राहत नहीं है।
रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग के आठ आरोपों वाला प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री ने अमेरिकी संविधान और युद्ध शक्तियों से जुड़े कानून का उल्लंघन किया है। मैसी के मुताबिक, हेगसेथ ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना कई सैन्य अभियान चलाए। इनमें ईरान और यमन पर सैन्य हमले के साथ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए चलाया गया अभियान भी शामिल है। मैसी ने कहा कि कांग्रेस की मंजूरी नहीं होने पर सेना को 60 दिनों के भीतर सैन्य संघर्ष से हटना जरूरी है। मैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी हेगसेथ के खिलाफ अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को शुरू हुए 256 दिन हो चुके हैं, लेकिन कांग्रेस ने अब तक इसे मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि कानून के तहत 60 दिनों के भीतर सेना को संघर्ष से वापस बुलाया जाना चाहिए था। मैसी ने आरोप लगाया कि हेगसेथ इस कानून को तोड़ रहे हैं। दूसरी ओर, हेगसेथ का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की ओर से किए गए सभी सैन्य अभियान कानूनी थे और राष्ट्रपति को देश के सर्वोच्च सैन्य कमांडर के रूप में मिले अधिकारों के तहत चलाए गए। फिलहाल महाभियोग प्रस्ताव को रोकने में रिपब्लिकन सांसद सफल रहे हैं, लेकिन जनवरी में अमेरिकी संसद का समीकरण बदलने वाला है। मौजूदा कांग्रेस के आखिरी सत्र में रिपब्लिकन पार्टी के पास बेहद मामूली बहुमत है। मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत हासिल की है। ऐसे में जनवरी में 120वीं कांग्रेस के गठन के बाद प्रतिनिधि सभा की कमान डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज के नेतृत्व में आने की उम्मीद है। नई बहुमत वाली पार्टी हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग की कोशिश दोबारा शुरू कर सकती है। हेगसेथ ने महाभियोग की कोशिश को खारिज किया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके खिलाफ हुई महाभियोग की दो असफल कोशिशों का जिक्र किया। हेगसेथ ने कहा, 'हम यह तमाशा पहले भी देख चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ एक फोन कॉल को लेकर महाभियोग चलाया। उनके कार्यकाल के आखिरी सप्ताह में दूसरी बार ऐसा किया। दोनों बार वे असफल रहे। अब तीसरी बार वे ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस बार निशाने पर उनके मंत्रिमंडल का एक सदस्य है।' उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति के आदेशों का पालन करने पर उन्हें गर्व है और यह कोशिश भी नाकाम होगी। ट्रंप ने भी हेगसेथ का समर्थन करते हुए ट्रुथ सोशल पर उन्हें 'ए प्लस प्लस प्लस' ग्रेड दिया। साथ ही प्रस्ताव लाने वाले थॉमस मैसी को नाराज, हारा हुआ और पूरी तरह असफल नेता बताया।

ट्रंप के समर्थन में इस्राइल, कहा- हमास का निरस्त्रीकरण अनिवार्य

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए हमास के तत्काल निरस्त्रीकरण को अनिवार्य बताया है। उसने संयुक्त राज्य अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप की 20-सूत्री योजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस्राइल ने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों से हमास को तुरंत हथियार डालने की मांग करने का आग्रह किया। समूह का हथियार सौंपने से इन्कार पुनर्निर्माण में मुख्य बाधा बना हुआ है। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर 'गाजा और शांति बोर्ड पर बयान' शीर्षक से एक आधिकारिक बयान जारी किया। इसमें वाशिंगटन के साथ समन्वय और मानवीय राहत प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। बयान में कहा गया कि इस्राइल अमेरिका और शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस्राइल डोनाल्ड ट्रंप की 20-सूत्री योजना की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। योजना के तहत, पुनर्निर्माण शुरू होने से पहले हमास को निरस्त्र होना होगा और गाजा को विसैन्यीकृत करना होगा।

शेख हसीना की वापसी की आहट से बांग्लादेश में हिंसा

बीएनपी का दफ्तर खाक, बसें भी फूंकीं; ड्राइवर जिंदा जला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के स्वदेश लौटने की तैयारियों के बीच राजधानी ढाका और आसपास के कई जिलों में सोमवार देर रात हिंसा भड़क उठी। हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थकों और विरोधियों के बीच कई जगहों पर झड़पें हुईं। देसी बम धमाकों, पुलिस की गाड़ियों पर हमलों और बसें फूंकने की कई घटनाओं के बीच खगड़ाछड़ी में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वार्ड कार्यालय को फूंक दिया गया। वहीं, फरीदपुर में एक बस को आग के हवाले करने की घटना में उसमें सो रहा ड्राइवर जिंदा जल गया।

पुलिस ने ताजा हिंसक घटनाओं के लिए हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। बांग्लादेश पुलिस के अनुसार, अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मंगलवार तड़के शरियतपुर जिले में पद्मा ब्रिज के दक्षिणी टोल प्लाजा पर प्रदर्शन किया। उन्होंने देसी बम फोड़े और कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की, जिससे कुछ समय के लिए पुल पर यातायात बाधित रहा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी जिले नेत्रकोणा के मोहनगंज स्टेशन पर खड़ी अंतरप्रांतीय ट्रेन हाओर एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगा दी गई। हालांकि, रेलवे और दमकलकर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे ट्रेन



सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं। अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार सुबह हसीना के गृहनगर तुंगीपारा में पुलिस और प्रतिबंधित छात्र संगठन छात्र लीग व अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के दौरान पुलिस की एक गाड़ी को भी फूंक दिया गया। ढाका-खुलना हाईवे पर पेड़ काटकर रास्ता बंद करने की कोशिश की गई। पुलिस ने हटाकर यातायात बहाल कराया। अनवारा में ग्रामीण बैंक की एक शाखा पर बम फेंकने से कागजात जल गए, जबकि रंगामाटी में अदालत और तीन शिक्षण संस्थानों के मुख्य दरवाजों पर रात के अंधेरे में ताले जड़ दिए गए। हिंसा ऐसे समय भड़की है जब सरकार ने कहा है कि वह शेखहसीना की तरफ से नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने संबंधी खबरों की जांच कर रही है।

पूर्व पीएम का प्रत्यर्पण चाहता है बांग्लादेश

हसीना (79) अगस्त 2024 में छात्र नीत तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जुलाई-अगस्त 2024 के प्रदर्शनों के दौरान नरसंहार के मामले में हसीना को दोषी ठहराया था। उनकी अनुपस्थिति में चले इस मुकदमे में अदालत ने उन्हें एक मामले में मृत्युदंड और दूसरे में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस साल फरवरी में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सत्ता में आने और तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी बांग्लादेश भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर कायम है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने स्पष्ट किया है कि हसीना के पास मौत की सजा के फैसले के खिलाफ कानूनी रूप से कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। उन्हें इस सजा का सामना करना ही होगा। न्यायाधिकरण ने शेख हसीना को छात्र आंदोलन के दौरान हिंसक प्रदर्शनों और मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा उनकी अनुपस्थिति में सुनाई थी।

तंबाकू कंपनी के खेल का किया पर्दाफाश: मिलीं जान से मारने की धमकियां; अब दूसरों को जेफ्री सिखा रहे सच की लड़ाई

पेरिस, एजेंसी। वो 1990 का दशक था, तंबाकू कंपनियों का सिक्का पूरी दुनिया में चलता था और सिगरेट के धुएं में लोगों की सेहत उड़ रही थी। उस वक्त एक ऐसा तूफान उठा जिसने इस अरबों-खरबों डॉलर के उद्योग की चूलें हिलाकर रख दीं। यह वो कहानी है जिसने जेफ्री विगैंड को इतिहास का सबसे साहसी व्हिसलब्लोअर बना दिया। विगैंड तंबाकू दिग्गज ब्राउन एंड विलियमसन में टॉप साइंटिस्ट थे। उन्होंने सबूतों के साथ पर्दाफाश किया कि तंबाकू कंपनियां सिगरेट में जानबूझकर रसायनों की हेरफेर करती हैं ताकि लोगों को इसकी लत लग जाए। इसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकियां मिलीं, उनकी शादी टूट गई, करियर खत्म हो गया और वह हाईस्कूल में मामूली टीचर बन गए। डॉ. विगैंड 83 वर्ष के हो चुके हैं और गंभीर ऑस्टियोआर्थराइटिस के दर्द से जूझ रहे हैं। लेकिन सच सामने लाने का उनका जज्बा आज भी उसी तरह बरकरार है। वह उन तमाम लोगों के लिए गाइड और संरक्षक बन चुके हैं, जो सत्ता या कॉर्पोरेट धांधली के खिलाफ आवाज बुलंद करने का जोखिम उठाने की सोच रहे हैं। डॉ. विगैंड बताते हैं, मैं अब बेजान-सा चलता हूं लेकिन जब भी किसी बेबस इंसान का फोन आता है तो उसकी बात पूरे ध्यान से सुनता हूं। इंटरनेट पर उनका फोन नंबर सार्वजनिक है और हर रोजा उनके पास जापान के रिसर्च लैब्स से लेकर अमेरिकी रक्षा एजेंसियों तक के कर्मचारियों के फोन आते हैं। विगैंड के छोटे भाई जेम्स कहते हैं, 83 वर्ष की उम्र में जहां ज्यादातर लोग आराम की जिंदगी बिताते हैं, वहीं उनके भाई का फोन दिन-रात बजता रहता है। वह एक जिद्दी योद्धा है, उसके अंदर सच के लिए लड़ने का अद्भुत जज्बा है। जब भी दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति अपनी नौकरी और जान जोखिम में डालकर गलत के खिलाफ बोलना चाहता है तो सबसे पहले जेफ्री विगांड को याद करता है। विगैंड उन्हें समझाते हैं कि इस खतरनाक रास्ते पर कैसे चलना है, सबूत कैसे सुरक्षित रखने हैं और खुद को मानसिक रूप से कैसे मजबूत रखना है। डॉ. विगैंड से संपर्क करने वाले 50% से भी कम लोग अंततः अपनी कंपनी या सरकार के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर खड़े हो पाते हैं।

एसयूवी कार की टक्कर से लॉस एंजिलिस में तीन की मौत, पुलिस ने शुरू की जांच



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित लॉस एंजिलिस में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां नॉर्थ हॉलीवुड में मेट्रो स्टेशन के पास फुटपाथ पर चल रहे लोगों को एक तेज रफ्तार सफेद एसयूवी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। लॉस एंजिलिस अग्निशमन विभाग (एलएएफडी) ने इसकी जानकारी दी।

लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग (एलएपीडी) के मुताबिक, व्यस्त चौराहे पर शाम करीब छह बजे से ठीक पहले एक सफेद एसयूवी ने कम से कम पांच लोगों को टक्कर मारी। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम तीन लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें वाहन का चालक भी शामिल है। फिलहाल अभी तक हादसे की वजह सामने नहीं आई है। अधिकारियों ने किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। मंगलवार रात आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलएपीडी के कैप्टन वार्नर कैस्टिलो ने कहा, 'हमें नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश हुआ।' कैस्टिलो के मुताबिक, एसयूवी चालक की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसकी उम्र 60 साल के आसपास है। अधिकारियों ने यह पता लगाने के लिए उसकी चिकित्सकीय जांच शुरू की है कि कहीं वह नशे के प्रभाव में तो वाहन नहीं चला रहा था। लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास ने बताया कि हादसे के शिकार लोगों में सड़क किनारे सामान बेचने वाले विक्रेता और राहगीर शामिल हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर घटना पर दुख जताया। मेयर ने लिखा, 'इस हादसे से प्रभावित सभी लोगों के परिवारों के लिए मेरा दिल दुखी है।' वहीं, एलएपीडी के प्रमुख जिम मैकडॉनेल ने बताया कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच लंबी चलेगी, लेकिन इसे बेहद सावधानी और व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाएगा।

ब्रिटेन में एयरबेस उड़ाने की थी साजिश, ईरान समर्थित नेटवर्क के तीन लोगों पर शिकंजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अभियोजकों ने यूरोप में हमलों और अमेरिका में हिंसक वारदातों की साजिश रचने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ आतंकवाद से जुड़े मामले दर्ज किए हैं। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, यह अभियान ईरान समर्थित था। इसमें ब्रिटेन के एक सैन्य एयरबेस पर हमले की नाकाम कोशिश भी शामिल थी, जहां उस समय अमेरिकी सैन्यकर्मी और विमान मौजूद थे।

अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में आठ आरोपों वाली एक संशोधित अभियोग-पत्र (सुपरसीडिंग इंडाइटमेंट) दाखिल की गई है। इसमें मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी (ईरानी-इराकी दोहरी नागरिकता), ईरानी नागरिक मोहसेन मोहाजेरी और इराकी नागरिक मोहम्मद अली अल-हसानी को आरोपी बनाया गया है।

क्या है आरोप

इन लोगों पर ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) और 'कताइब हिजबुल्लाह' को समर्थन देने का आरोप है। अमेरिका ने इन दोनों संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। अभियोजकों के अनुसार, यह नेटवर्क लगभग 20 हमलों और हमलों की कोशिशों से जुड़ा है।

ब्रिटिश एयरबेस ब्लॉक फेयरफोर्ड को बनाया था निशाना: अभियोजकों के मुताबिक, इस कथित साजिश का सबसे हालिया निशाना ब्रिटेन का ब्लॉक फेयरफोर्ड एयरबेस था। सितंबर में हमले की कोशिश के समय इस एयरबेस पर अमेरिकी विमान और सैन्यकर्मी तैनात थे। आरोपपत्र के अनुसार, अल-हसानी ने विदेश में रहते हुए ब्रिटेन में



मौजूद अपने सहयोगियों की मदद से हमले की योजना तैयार की थी। उस समय मोहाजेरी भी ईरान में था, जबकि अल-सादी पहले से ही आतंकवाद से जुड़े एक अन्य मामले में न्यूयॉर्क की संघीय हिरासत में बंद था। अभियोजकों का दावा है कि जेल में होने के बावजूद अल-सादी ने इराक में अपने रिश्तेदारों से फोन पर बातचीत के जरिए सहयोगियों तक गुप्त संदेश पहुंचाए।

अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, हमले की तैयारियां अगस्त में शुरू हुई थीं। आरोपियों के सहयोगियों ने एयरबेस की निगरानी और रेकी की। इसके अलावा वैन और ईंधन के ड्रम जुटाए गए। रासायनिक ज्वलनशील पदार्थों के इस्तेमाल पर जानकारी जुटाई गई और छर्रे के रूप में इस्तेमाल किए जा सकने वाले धातु के सामान भी हासिल किए गए। अभियोजकों ने बताया कि वैन पर ऐसे निशान लगाए गए थे, जिससे वे ईंधन की आपूर्ति करने वाली या स्विमिंग पूल से जुड़ी कंपनियों की गाड़ियां दिखाई दें। आरोपपत्र में यूरोप के यहूदी समुदायों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कथित श्रृंखला का भी जिक्र है। अभियोजकों का कहना है कि आरोपी 'हरकत अशाब अल-यामिन अल-इस्लामिया' नाम के एक समूह के जरिए काम कर रहे थे। इसे ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों का मुखौटा संगठन बताया गया है।

इस समूह ने यूरोप में 18 हमलों की जिम्मेदारी ली थी। इनमें से सात हमले ब्रिटेन में हुए थे। इन घटनाओं में आगजनी, विस्फोटक हमले और लंदन में दो यहूदी लोगों पर चाकू से किया गया जानलेवा हमला शामिल था। इस हमले में एक व्यक्ति की जान बाल-बाल बची थी। वह ब्रिटिश और अमेरिकी, दोनों देशों की नागरिकता रखता था।

आतंकवादी संगठनों को मदद और हमले की साजिश समेत कई आरोप

अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से दाखिल आरोपपत्र में कई गंभीर आरोप शामिल हैं। इनमें अमेरिका द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित समूहों को भौतिक सहायता मुहैया कराने की साजिश, आतंकवाद के वित्तपोषण और सार्वजनिक स्थान पर बम विस्फोट करने की साजिश शामिल हैं। मामले की जांच के आधार पर अभियोजकों ने तीनों आरोपियों को कथित ईरान समर्थित आतंकी नेटवर्क से जुड़ा बताया है। हालांकि, ये सभी आरोप हैं और अदालत में अभी इनकी पुष्टि होनी बाकी है।

चक शूमर ने ट्रंप को घेरा, कहा- जेन्सेन हुआंग पर कार्रवाई के बजाय लिया 234 करोड़ रुपये का चंदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग के कथित तौर पर चीनी जासूस से संबंधों को लेकर अमेरिका में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप को एक साल से अधिक समय पहले हुआंग के एक कथित चीनी जासूस के साथ संबंधों की जानकारी दी गई थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। शूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप को एनवीडिया के सीईओ और कथित चीनी जासूस के संबंधों के बारे में पहले ही जानकारी दे दी गई थी। इसके बावजूद उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया।

शूमर ने आरोप लगाया कि ट्रंप ने इसके बजाय हुआंग को बीजिंग की यात्रा पर साथ ले गए, चीन को अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच देने की उनकी सलाह मानी और एनवीडिया से 25 मिलियन डॉलर



का चंदा स्वीकार किया। उन्होंने व्हाइट हाउस से तत्काल जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने में ट्रंप प्रशासन की कथित नाकामी पर तुरंत जवाब मिलना चाहिए। शूमर का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से जेन्सेन हुआंग का सार्वजनिक रूप से बचाव किए जाने के कुछ समय बाद आया है। ट्रंप ने हुआंग को शानदार और उच्च गुणवत्ता वाला व्यक्ति बताया था। उन्होंने एनवीडिया की ओर से विकसित ब्लैकवेल चिप की भी तारीफ की थी। हालांकि, ट्रंप ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि इस पूरे विवाद से हुआंग और उनका परिवार काफी परेशानी झेल रहा है।

इस बीच एनवीडिया के बोर्ड ने मामले की स्वतंत्र जांच कराने की घोषणा की है। कंपनी के मुताबिक, बोर्ड के स्वतंत्र सदस्यों ने न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के पूर्व कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी जून एच. किम और उनकी कानूनी फर्म वाचटेल, लिप्टन, रोसेन एंड काट्ज को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। कंपनी ने कहा कि यह विस्तृत और स्वतंत्र जांच होगी। बोर्ड ने इससे पहले रविवार को भी जांच की घोषणा की थी।

एआई चिप निर्यात नीति पर भी उठे सवाल

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने भी ट्रंप प्रशासन की निर्यात नीति पर सवाल उठाए हैं। रोड आइलैंड के गैब अमो, न्यूयॉर्क के ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स और कैलिफोर्निया की सिडनी कमलागर-डोव ने वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक से उन्नत एआई कंप्यूटर चिप्स के निर्यात की अनुमति से जुड़े सवालों का जवाब मांगा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सांसदों ने कहा कि वाणिज्य विभाग ने चीन से जुड़े संस्थानों, सैन्य ठेकेदारों और प्रतिबंधित कंपनियों को उन्नत एआई हार्डवेयर भेजने की मंजूरी दी थी। सांसदों ने अपने पत्र में लिखा कि अमेरिका की एआई क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता की रक्षा करने का दावा करते हुए उसकी सबसे उन्नत तकनीक किसी रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी तक पहुंचने देना उचित नहीं है।

फ्रिज नहीं संभलते, देश की समस्याएं क्या संभालोगे': ईरान का फ्रांस पर तंज; होर्मुज में अमेरिका को भी ललकारा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका पर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर ने कहा कि अमेरिकी सेना खुद इस रणनीतिक समुद्री रास्ते के पास जाने की हिम्मत नहीं कर रही, लेकिन इसे खुला बताकर तेल टैंकरों को खतरे में भेज रही है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, कमांडर ने आरोप लगाया कि अमेरिका बेबस तेल टैंकरों को 'आग की दीवार' में धकेल रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बना हुआ है। अमेरिका के सामने ईरान ने रखीं सात शर्तें, ट्रंप ने क्या कहा इससे पहले ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मेजर जनरल मोहसिन रजाई ने अमेरिका के सामने युद्ध खत्म करने के लिए सात शर्तें रखी थीं। मानकर पश्चिम एशिया में नए समीकरण को स्वीकार करना चाहिए। इन शर्तों में सभी मोर्चों पर संघर्ष खत्म करना, होर्मुज के आसपास अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाना, समुद्री रास्ते को फिर खोलना, आर्थिक प्रतिबंध हटाना, विदेशों में जमा ईरान की संपत्तियां लौटाना और ईरान के आंतरिक मामलों में दखल बंद करना शामिल है।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

ब्रेट रैंडेल को पहली बार न्यूजीलैंड टीम में मौका



न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए 31 साल के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को टीम में शामिल किया है। रैंडेल को पहली बार सीनियर इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। वहीं, ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन पांचवें और आखिरी वनडे के लिए टीम से जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने रैंडेल के पहली बार इंटरनेशनल टीम में चुने जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि 31 साल के तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और इसी के दम पर टीम में जगह बनाई है। कोच ने संकेत दिए कि रैंडेल को भारत के खिलाफ आखिरी दो वनडे में डेब्यू का मौका मिल सकता है।

भारत को पहली बार यूथ ओलिंपिक में बॉक्सिंग का गोल्ड



डकार। भारतीय मुक्केबाज एल अंबेकर मीतेई ने डकार 2026 यूथ ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीत लिया है। उन्होंने पुरुषों के 50 केजी बॉक्सिंग फाइनल में आयरलैंड के जुबानी क्रिस्टियन को 3-2 से हराया। यह यूथ ओलिंपिक के इतिहास में बॉक्सिंग में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। अंबेकर ने सेमीफाइनल में 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की थी। फाइनल राउंड में पलटा मुकाबला अंबेकर को फाइनल में शुरुआत में मुश्किल का सामना करना पड़ा। पहले राउंड में पांचों जजों ने आयरलैंड के क्रिश्चियन के पक्ष में फैसला दिया। इसके बाद दूसरे राउंड में भारतीय मुक्केबाज ने वापसी की और तीन जजों ने उन्हें बेहतर माना। तीसरे और आखिरी राउंड में चार जजों ने अंबेकर के पक्ष में फैसला सुनाया। इस तरह उन्होंने 3-2 से मुकाबला जीतकर गोल्ड अपने नाम किया। यूथ ओलिंपिक में भारत के तीसरे बॉक्सिंग मेडलिस्ट अंबेकर से पहले भारत को यूथ ओलिंपिक बॉक्सिंग में 2 मेडल मिले थे। शिव थापा ने 2010 सिंगापुर यूथ ओलिंपिक में पुरुषों के 54यत्न कैटेगरी में सिल्वर जीता था। वहीं, विकास कृष्ण ने इसी संस्करण में पुरुषों के 60यत्न वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड



मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं।

एसएसआई ने डाइविंग योग्यता प्रमाणित की, 6 रिकॉर्ड की पुष्टि हुई ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर ने आईपीएल ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराया

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है। मुस्तफिजुर को पिछले सीजन शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे आईपीएल के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के बीच उनके आईपीएल में खेलने को लेकर विरोध शुरु हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई के निर्देश पर चयनकर्ता ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया विवाद तब और बढ़ा जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने से मना कर दिया।

भारत-पाकिस्तान फिर अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में

14 नवंबर को मुकाबला, सेमीफाइनल में

अल अमीरात

भारतीय अंडर-19 टीम एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। 14 नवंबर को खिताबी मुकाबले में भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमें पिछली बार भी एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने थीं, जहां पाकिस्तान ने भारत को 191 रन से हराया था। गुरुवार को ओमान के मस्कट में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 9 विकेट से मात दी। अफगानिस्तान ने भारत को 228 रन का लक्ष्य दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। जवाब में भारत ने 36.5 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

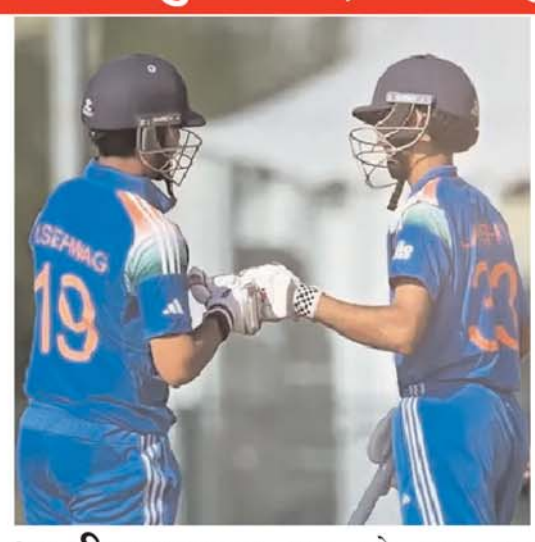

भारत पिछला फाइनल पाकिस्तान से हारा था

भारत टूर्नामेंट का पिछला 2 फाइनल हारा है। 2024 में उसे बांग्लादेश के खिलाफ हार मिली थी। वहीं 2025 में पाकिस्तान ने 191 रन के बड़े अंतर से भारत को हराया था। हालांकि ओवरऑल भारत ने इस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 8 बार जीता है।

वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर की फिफ्टी, कप्तान लक्ष्य के 93 रन

सेमीफाइनल में भारत के लिए आर्यवीर सहवाग ने 57 बॉल पर 51 रन बनाए। वहीं कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 93 रन की पारी खेली। वीके विनीत 57 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने छक्का लगाकर जीत दिलाई।

फाइनल में पहुंचा भारत

भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया है। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए। जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

प्रदेश स्तरीय दंगल: आजमगढ़ के अनुज ने बलिया के योगेश को दी पटखनी

पहलवानों ने दिखाया दमखम; बजी तालियां

नईदिल्ली। प्रदेश स्तरीय दंगल में पहलवानों ने दमखम दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी दी। आजमगढ़ के अनुज यादव ने बलिया के योगेश को हराकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, गोरखपुर के सचिन और मऊ के आशीष के बीच कुश्ती बराबरी पर छूटी। दंगल में विभिन्न जिलों से आए पहलवानों ने जोरदार मुकाबले पेश किए। कस्बे के उत्तर टोला स्थित फतेह सागर पोखरा के पास बृहस्पतिवार को तिवारी क्लब की ओर से प्रदेश स्तरीय दंगल का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पहलवानों ने अपने दांव-पेच और दमखम का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता वीरेंद्र पाठक 'दुनजी' और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राकेश मिश्रा ने गोरखपुर के सचिन पहलवान और मऊ के आशीष पहलवान का हाथ मिलवाकर दंगल का शुभारंभ कराया। दोनों नामचीन पहलवानों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला हुआ। एक से बढ़कर एक दांवपेच आजमाने के बावजूद कोई भी



पहलवान किसी को चित नहीं कर सका। अंततः यह रोमांचक मुकाबला बराबरी पर छूटा।

अन्य मुकाबलों में आजमगढ़ के अनुज यादव ने मलप के बलिया निवासी योगेश को पटकनी देकर शानदार जीत हासिल की। वहीं, मऊ के शत्रुघ्न ने मलप के छोटू को पराजित किया। इसके अलावा, अंश (जौनपुर) व अमन (गाजीपुर), अमित लखरहवा (गाजीपुर) व अमित यादव (गोरखपुर), तथा नंदन (गाजीपुर) व आनंद (बनारस) के बीच हुए मुकाबले कड़े संघर्ष के बाद बराबरी पर समाप्त हुए। हैरतअंगेज दाव देख बजीं तालियां इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने मुख्य अतिथि वीरेंद्र पाठक और विशिष्ट अतिथि राकेश मिश्रा को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि वीरेंद्र पाठक ने कहा कि कुश्ती केवल एक खेल नहीं, बल्कि हमारी पारंपरिक संस्कृति और ग्रामीण खेल विरासत का एक अहम हिस्सा है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण अंचल की छिपी हुई प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बड़ा मंच मिलता है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों का कुश्ती के प्रति जबरदस्त उत्साह देखकर यह भी कहा कि यदि सबका आशीर्वाद मिला, तो इस क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से लैस एक स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा।

न्यूजीलैंड ने फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया:पहले हाफ में 3 गोल

जेसी रैंडल ने दो बार गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया



ऑकलैंड। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय फुटबॉल टीम को पहले इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में 0-5 से हार मिली। ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही 3 गोल की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में दो और गोल कर न्यूजीलैंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वर्गीस से गेंद अपने ही गोलपोस्ट में गई न्यूजीलैंड को पांचवें मिनट में बढ़त मिली, जब भारत के डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद अपने ही गोलपोस्ट में चली गई। इसके बाद जेसी रैंडल ने 34वें और 43वें मिनट में गोल कर न्यूजीलैंड की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में वुड और बेलिस ने किए गोल दूसरे हाफ में भी न्यूजीलैंड का दबदबा जारी रहा। क्रिस वुड ने 57वें मिनट में गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। इसके बाद 74वें मिनट में लाचलन बेलिस ने पांचवां गोल दागकर भारत की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं।

भारतीय गोलकीपर विशाल कैथ ने कई मौकों पर गोल बचाए, लेकिन न्यूजीलैंड के हमलों को रोक नहीं सके।

रविवार को क्राइस्टचर्च में दूसरा मैच

भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच रविवार को क्राइस्टचर्च में खेलेगी। पहले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम की कोशिश दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की होगी।

विश्व चैंपियनशिप: निशानेबाज विवान कपूर ने ट्रैप स्पर्धा में जीता रजत पदक

ओलंपिक कोटा भी पक्का किया

नईदिल्ली। भारतीय निशानेबाज विवान कपूर ने दोहा में जारी आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। विवान ने पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। वह स्वर्ण जीतने के करीब थे, लेकिन इससे चूक गए। भारत के विवान कपूर गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुष ट्रैप स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करने से बेहद करीब से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस उपलब्धि से उन्होंने हालांकि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भारत का एक कोटा भी पक्का कर दिया। किस तरह स्वर्ण से चूके विवान जयपुर के 24 वर्षीय निशानेबाज विवान शानदार फॉर्म में थे और ऐसा लग रहा था कि वह पुरुष ट्रैप में विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। उनसे पहले मानवजीत सिंह संधू ने 2006 में क्रोएशिया के जगरेब में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल की थी। हालांकि शूट-ऑफ में विवान एक क्ले बर्ड पर निशाना लगाने से चूक गए और कुवैत के अब्दुलरहमान अलफैहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। निर्धारित मुकाबले में दोनों निशानेबाजों ने 30 में से 29 अंक हासिल किए थे जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-ऑफ से हुआ।



ट्रैक स्पर्धा में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय

इस रजत पदक के साथ विवान अत्यंत प्रतिस्पर्धी पुरुष ट्रैप स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाले चौथे भारतीय बन गए। उनसे पहले दिग्गज निशानेबाज कर्णी सिंह (रजत), मानवजीत सिंह संधू और जोरावर सिंह संधू यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। विवान लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए कोटा स्थान हासिल करने वाले तीसरे भारतीय निशानेबाज भी बन गए। उनसे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जयपाल मालवीय और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीतने वाले नीरज कुमार भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

कुमामोतो मास्टर्स: श्रीकांत और लक्ष्य का शानदार प्रदर्शन जारी

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे; अब किससे होगा सामना

नईदिल्ली। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत और लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। भारत के किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल करके पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। श्रीकांत ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त और विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी कोदाई नाराओका को 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर उलटफेर किया। अब उनका मुकाबला जापान के एक अन्य खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज कोकी वातानाबे से होगा। लक्ष्य ने किसे हराया?



जर्मनी में हाइलो ओपन जीतने वाले आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज लक्ष्य वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं और चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

माउंट मौनगानुई। भारतीय टीम यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को होने वाले चौथे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-0 से आगे है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा। इस मैच में उतरते ही भारतीय टीम बदली-बदली नजर आयेगी। इस अहम मैच में युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहली बार एकदिवसीय प्रारुप में भारतीय टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। वहीं 19 नवंबर से होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए नियमित कप्तान शुभमन गिल , केएल राहुल, सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में ईशान किशन टीम में विकेटकीपर की मुख्य भूमिका भी निभाएंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अंतिम दो मैचों के लिए दल में शामिल किया गया है।



न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, विल यंग, माइकल ब्रेसवेल, निक कैली, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिचेल हे (विकेटकीपर), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर, मैट हेनरी और काइल जैमीसन।

भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, ईशान किशन (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), आकिब नबी डार, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।



सेनेगल के डकार में बीच हैंडबॉल में खेलती हुई मैक्सिको और चीन की खिलाड़ी।

डी सिल्वा ने 167 और मेंडिस ने 119 रन बनाए; साकिब खान ने 7 विकेट लिए

श्रीलंका ने पहली पारी में 446 रन बनाए

रावलपिंडी। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका की टीम पहली पारी में 446 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह टीम ने पाकिस्तान के 434 रन के जवाब में 12 रन की बढ़त हासिल की। दिन का खेल खत्म होने तक पाकिस्तान ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 57 रन बनाए हैं। श्रीलंका की ओर से धनंजय डी सिल्वा ने 167 और कप्तान कुसल मेंडिस ने 119 रन बनाए। पाकिस्तान के साकिब खान ने 7 विकेट लिए। धनंजय डी सिल्वा और कुसल मेंडिस ने संभाली श्रीलंका की पारी श्रीलंका ने चौथे दिन अपनी पहली पारी 404/4 के स्कोर से आगे बढ़ाई। धनंजय डी सिल्वा 167 और कुसल मेंडिस 117 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 249 रन की साझेदारी की। धनंजय डी सिल्वा 246 गेंदों पर 167 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 20 चौके शामिल रहे। वहीं, कप्तान कुसल मेंडिस ने 202 गेंदों पर 119 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए।





इन दोनों के अलावा कामिंदु मेंडिस ने 58 और लाहिरू उदारा ने 42 रन बनाए। श्रीलंका की पूरी टीम 117.2 ओवर में 446 रन बनाकर आउट हुई।

साकिब खान ने 7 विकेट लिए

पाकिस्तान की ओर से साकिब खान सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 34 ओवर में 130 रन देकर 7 विकेट लिए। मोहम्मद अब्बास को 2 विकेट मिले, जबकि रजाउल्लाह ने एक विकेट हासिल किया।

पाकिस्तान ने पहली पारी में 434 रन बनाए थे

पाकिस्तान ने पहली पारी में 106.3 ओवर में 9 विकेट पर 434 रन बनाकर पारी घोषित की थी। टीम की ओर से सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 93 रन बनाए। वह शतक से चूक गए।

तैयब आरिफ ने 51 गेंदों पर 57 रन बनाए। मोहम्मद ताहा ने 105 गेंदों पर 51 और आराफात मिन्हास ने 72 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। कप्तान बाबर आजम ने भी 58 गेंदों पर 50 रन बनाए। गाजी घोरी ने 48 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका ने 3-3 विकेट लिए। मिलान रथनायके और सोनल दिनुषा को एक-एक विकेट मिला।

दूसरी पारी में पाकिस्तान ने 45 रन बनाए, एक विकेट गिरा

श्रीलंका से 12 रन पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी शुरू की। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 15 ओवर में एक विकेट पर 45 रन बना लिए थे।

तैयब आरिफ 8 गेंदों पर 11 रन बनाकर असिथा फर्नांडो की गेंद पर क्लीन आउट हुए। अजान अवैस 46 गेंदों पर 20 और मोहम्मद ताहा 36 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद हैं। पाकिस्तान की कुल बढ़त अब 33 रन हो गई है। मैच के पांचवें दिन पाकिस्तान अपनी बढ़त मजबूत करने और श्रीलंका को लक्ष्य देने की कोशिश करेगा।

मिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह

दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता शुरू, ग्रामीण और वनांचल के युवाओं को प्रतिभा दिखाने का अवसर

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। शुक्रवार को मिनी स्टेडियम में ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। आयोजन के दौरान खेल मैदान में उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल रहा। शुभारंभ अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य मैथियस कुजूर, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू पोटाम और नगरपालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।



दूरस्थ गांवों की प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर–बस्तर ओलंपिक का उद्देश्य ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में मौजूद खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। संसाधनों और सुविधाओं की कमी के कारण कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाते। ऐसे खिलाड़ियों के लिए ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता एक महत्वपूर्ण मंच है। यहां बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जिला और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। बीजापुर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की यह पहल युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में भी मददगार हो सकती है। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर एसडीएम राकेश साहू, जिला खेल अधिकारी आदित्य कुंजाम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, वार्ड पार्षद और बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

वनांचल की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

बस्तर ओलंपिक दूरस्थ गांवों के उन खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर बन रहा है, जिन्हें अब तक पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं। प्रतियोगिता के जरिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें जिला और उच्च स्तरीय मुकाबलों तक पहुंचने का मौका मिलेगा। खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी बढ़ावा मिलेगा।

भगवान श्रीकृष्ण के कथित अपमान को लेकर यादव महासभा ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

धीरेंद्र शास्त्री और प्रोफेसर संगीत रागी के खिलाफएफ्आईआर दर्ज करने की मांग



मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। भगवान श्रीकृष्ण के कथित अपमान एवं यादव समाज के प्रति कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। महासभा ने कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संगीत रागी के खिलाफमुकदमा दर्ज करने की मांग की है।महासभा के जिलाध्यक्ष गिरधारी यादव ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने दोपहर करीब 1 बजे पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी और भाव-भंगिमा का प्रयोग किया गया।वहीं, महासभा ने आरोप लगाया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संगीत रागी ने एक टीवी डिबेट के दौरान यादव समाज के प्रति कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की है। इन दोनों मामलों को लेकर यादव महासभा ने पुलिस से जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।ज्ञापन सौंपने के दौरान राष्ट्रीय सचिव डी.आर. यादव, प्रदेश सचिव परमेश्वर धनु यादव, डॉ. प्रतीक यादव, युवा यादव महासभा के जिलाध्यक्ष अंशु यादव, महिला यादव महासभा की जिलाध्यक्ष संगीता यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति गंभीर चिंता का विषय - अंजना सिंह परिहार

केवल नामांकन नहीं, बच्चों की नियमित उपस्थिति और शिक्षण गतिविधियों में सहभागिता भी जरूरी

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। बच्चों की विद्यालय में घटती एवं अनियमित उपस्थिति को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरदा की व्याख्याता अंजना सिंह परिहार ने कहा है कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार और उसके उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार है। केवल विद्यालय में नामांकन करा देना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे का नियमित रूप से स्कूल पहुंचना और शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करना आवश्यक है।



अंजना सिंह परिहार ने कहा कि बच्चों की अनियमित उपस्थिति के पीछे आर्थिक अभाव, पारिवारिक परिस्थितियां, अभिभावकों में जागरूकता की कमी, विद्यालय की दूरी और पढ़ाई के प्रति अरुचि जैसे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे बच्चों को केवल अनुपस्थित चिह्नित करने के बजाय उनकी समस्याओं को समझकर समाधान तलाशना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षण को रोचक, आनंददायक और गतिविधि आधारित बनाने के साथ ही कमजोर एवं संकोची बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित करना भी प्रभावी पहल हो सकती है।उन्होंने बालसभा, कहानी-कविता, खेलकूद, प्रश्नोत्तरी और प्रतिभा प्रदर्शन जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की नियमित उपस्थिति केवल शिक्षक या विद्यालय की नहीं, बल्कि अभिभावकों और समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, किसानों की सुविधा को लेकर प्रशासन अलर्ट

सुबह 9 :30 बजे से शाम 5 :30 बजे तक होगी धान खरीदी, सभी नोडल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक, खरीदी केंद्रों में पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और पर्याप्त बारदाने उपलब्ध कराने के निर्देश

मूक पत्रिका

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होने जा रही है। धान खरीदी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों को धान बेचने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने स्पष्ट कहा कि किसानों की सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में मॉइस्चर मशीन, पर्याप्त बारदाना, स्वच्छ पेयजल, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुव्यवस्थित और सुचारू होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।



धान खरीदी को त्योहार की तरह मनाएं अधिकारी–कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि धान खरीदी किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण अवसर है।

इसे त्योहार की तरह मनाते हुए खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए बेहतर माहौल और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। धान की तौल से लेकर अन्य सभी प्रक्रियाएं सरल एवं सुगम तरीके से पूरी हों, ताकि अन्नदाताओं को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि जिले में निर्धारित समय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक धान खरीदी की जाएगी। इसके लिए सभी नोडल अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। कलेक्टर ने अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।बैठक में एडीएम उमाशंकर बंदे, आरटीओ आशीष देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अब प्रशासन का जोर खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के साथ किसानों को बिना परेशानी उनकी उपज बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने पर है।

माँ लक्ष्मी उत्सव एवं भव्य जगराता कार्यक्रम में शामिल हुए आशीष छाबड़ा, माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

मूक पत्रिका

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नया ढाबा (भिंभौरी) में जय माँ लक्ष्मी उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में आयोजित माँ लक्ष्मी पूजन उत्सव में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री आशीष छाबड़ा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विराजित माँ लक्ष्मी जी के दिव्य दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर आयोजित भव्य जगराता कार्यक्रम में भी श्री छाबड़ा ने सहभागिता निभाई। जगराता के दौरान भक्ति संगीत, माता रानी के मधुर भजनों एवं जयकारों से पूरा ग्राम भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ माँ भगवती की आराधना की। धार्मिक आयोजन ने ग्राम में आपसी प्रेम, सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को और अधिक मजबूती प्रदान की।इस अवसर पर श्री आशीष छाबड़ा ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने के साथ-साथ आपसी सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। माँ लक्ष्मी जी की आराधना हमें सुख-समृद्धि के साथ-साथ सेवा, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देती है।उन्होंने आयोजन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों को सफल एवं भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ग्रामवासियों की श्रद्धा, उत्साह और सामूहिक सहभागिता से ऐसे धार्मिक आयोजन और भी विशेष बन जाते हैं।अंत में श्री छाबड़ा ने माँ लक्ष्मी जी से प्रार्थना की कि माता रानी की असीम कृपा समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली का वास हो। इस अवसर पर प्रांजल तिवारी शुभम वर्मा संदीप टिकरिहा सीमा टिकरिहा ललित विश्वकर्मा किशोर तिवारी चंद्र विजय धीवर नरेंद्र धीवर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे





जनरल परेड के बाद एसपी त्रिलोक बंसल ने आर्म्स शाखा एवं मैगजीन रूम का किया निरीक्षण

हथियारों के रखरखाव और अभिलेखों को व्यवस्थित रखने दिए आवश्यक निर्देश, पुलिसकर्मियों को अनुशासन एवं तत्परता बनाए रखने की दी हिदायत

मूक पत्रिका

बेमेतरा - पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने बीते शुक्रवार को रक्षित केन्द्र बेमेतरा स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित जनरल परेड के उपरांत आर्म्स शाखा एवं मैगजीन रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय हथियारों एवं रायफ्लों की स्थिति, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही शाखा में संधारित रजिस्टरों एवं अभिलेखों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी बंसल ने सभी रजिस्टरों एवं अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा व्यवस्थित तरीके से संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय हथियारों की नियमित देखभाल, पुलिस संसाधनों का उचित रखरखाव और अभिलेखों का सही संधारण बेहतर पुलिस व्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।



एसपी ने रक्षित केन्द्र परिसर एवं पुलिस परेड ग्राउंड की साफ-सफाई और सुव्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस विभाग की अनुशासन व्यवस्था का कड़ाई से पालन करने तथा किसी भी आकस्मिक ड्यूटी एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता, अनुशासन और तत्परता कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सजगता एवं जिम्मेदारी के साथ करें।निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश कुमार यादव, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, रीडर-1 निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, सहायक उप निरीक्षक राममिलन सिंह सहित रक्षित केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोरिया में 'मेरी बेटी, मेरा गौरव' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में संरक्षण अधिकारी श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर ने छात्राओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, महिलाओं के कानूनी अधिकारों तथा घरेलू हिंसा की स्थिति में उपलब्ध सहायता के संबंध में जानकारी दी। सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री एच. निशा खान ने करियर काउंसलिंग के माध्यम से बालिकाओं को भविष्य निर्माण एवं रोजगार के अवसरों से अवगत कराया। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं, महिला एवं बालिका सुरक्षा तथा हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 112, 108, 102, 1076, 1091 एवं 1073 के उपयोग की जानकारी भी दी। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, लैंगिक समानता, बाल विवाह एवं महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैरा लीगल वॉलंटियर श्रीमती मंजू देवांगन ने सुरक्षित बचपन अभियान, साइबर अपराध एवं पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। परियोजना अधिकारी श्रीमती ऋचा तिवारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किशोरी बालिकाओं को पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर आंगनबाड़ी केन्द्र चोरिया-03 की कार्यकर्ता श्रीमती पूर्णिमा साहू एवं सहायिका श्रीमती सुक्रिता सूर्यवंशी तथा आंगनबाड़ी केन्द्र परसापाली की कार्यकर्ता श्रीमती प्रतिभा साहू को सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय की छात्राओं के बीच रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री अमृत लाल साहू, परियोजना अधिकारी श्रीमती ऋचा तिवारी, संरक्षण अधिकारी नवा बिहान श्रीमती अनुपमा सिंह कंवर, सखी वन स्टॉप सेंटर जांजगीर की केन्द्र प्रशासक सुश्री एच. निशा खान, पैरा लीगल वॉलंटियर श्रीमती मंजू देवांगन, डालेश्वर पटेल, साइको-सोशल काउंसलर श्रीमती सरस्वती सोनी, पैरालीगल वकील श्रीमती अंजली बंदे, पर्यवेक्षक श्रीमती उर्मिला भारती, श्रीमती दुर्गेश नंदनी यादव एवं श्रीमती रामकुमारी पटेल सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।





स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।